RNI No. MPHIN/25/A4421

दैनिक दिव्य संवाद

वर्ष 01 अंक: 52 | उज्जैन सोमवार दिनांक 30 मार्च 2026 फालगुन मास शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2083 | पृष्ठ: 8 मूल्य :02 रूपये

मौसम आज

तापमान

न्यूनतम - 22 डि.से.

अधिकतम - 36 डि.से.

न्यूज गैलरी

ड्यूटी में लापरवाही पड़ी भारी, देहरादून में एसएसपी ने दरोगा को किया सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून ने अनुशासनहीनता पर सख्त रुख अपनाते हुए एक उपनिरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई ड्यूटी के दौरान पद की गरिमा के अनुरूप व्यवहार न करने के आरोप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 28 मार्च 2026 को थाना रायपुर क्षेत्र में एक पीआरडी कर्मी की आत्महत्या के मामले के बाद कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। इसी क्रम में थाना डालनवाला से उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार सिंह को ड्यूटी पर नियुक्त किया गया था। ड्यूटी के दौरान उपनिरीक्षक द्वारा अपेक्षित आचरण और अनुशासन का पालन न करने की शिकायत सामने आई। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी देहरादून ने तत्काल संज्ञान लिया और बिना देरी किए उन्हें निलंबित करने का आदेश जारी किया।

रणजी की जीत और आकिब नबी की रफ्तार के मुरीद हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारत की हालिया खेल उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर की सराहना की और कहा कि यह केंद्र शासित प्रदेश तेजी से खेल प्रतिभाओं का केंद्र बनकर उभर रहा है। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 132वें एपिसोड में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा कि टीम ने रणजी ट्राफी जीतकर इतिहास रच दिया। कर्नाटक में खेले गए फाइनल मुकाबले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग सात दशकों के बाद यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर ने यह खिताब अपने नाम किया।

भगवान महावीर के विचार आज भी हैं प्रासंगिक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दिगंबर और श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन ने दी है समाज सेवा को नई दिशा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर संसार को सत्य, अहिंसा, असंचय, अपरिग्रह, त्याग और तपस्या का शाश्वत संदेश देने वाले करुणा के महासागर थे। भगवान महावीर ऐसे तीर्थंकर हैं, जिनसे हम सबको प्रेरणा मिलती है। ऐसे भगवान की जयंती हमें वर्षभर मनाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज से करीब ढ़ाई हजार साल पहले भगवान महावीर स्वामी ने जो कहा था, वह आज की वैश्विक परिस्थितियों में भी प्रासंगिक है। जैन दर्शन की विशेषता है कि वह दूसरों को दबाने या डराने के बजाय, जिनेन्द्रियों पर अर्थात् स्वयं पर विजय प्राप्त करता है। भगवान महावीर स्वामी ने भी स्वयं की इन्द्रियों को जीता है, इसलिये वे जिन महावीर कहलाये। आज पूरी दुनिया उनको पूजती है, उनके विचारों को मानती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान महावीर के चरणों में वंदन कर प्रदेशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हर काल में राष्ट्र निर्माण में जैन समाज का अप्रतिम योगदान रहा है। आज ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करना हम सबके लिए सौभाग्य का अवसर है, जिन्होंने भगवान महावीर की शिक्षाओं को अपने आचरण और व्यक्तित्व में उतारा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर में श्री मदन मोहन मेहता ऑडिटोरियम में महावीर जयंती व्याख्यान एवं महावीर अलंकरण/सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान जिन् महावीर पर दिखाए सत्यमार्ग पर चलने वाले 4 वरिष्ठ समाजसेवियों श्री चंदनमल चौरड़िया, श्री हंसराज जैन, श्री हंसमुख गांधी एवं श्री संतोष कुमार जैन को %महावीर अलंकरण% प्रदान किया। साथ ही सम्मानित समाजसेवियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सबने भगवान महावीर के सिद्धांतों को सच्चे अर्थों में जीवन में आत्मसात किया है। आपका आचरण और यह उपलब्धि दूसरों को भी ऐसा करने की प्रेरणा देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन उच्च कोटि की समाज सेवा के जीवंत उदाहरण है। महावीर जयंती व्याख्यान एवं महावीर अलंकरण समारोह के रूप में इन दोनों फेडरेशन्स का यह संयुक्त प्रयास अद्भुत संगठन शक्ति, समर्पण और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्तमान में चल रहे वैश्विक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए कहा कि स्वहितों के लिए पूरे विश्व को विषम और असामान्य सी परिस्थितियों में ला देने वाले लोगों को भगवान महावीर के %अहिंसा परमो धर्म% सूत्र वाक्य को याद करना चाहिए। क्योंकि हिंसा और अराजकता का जबाव प्रतिकार नहीं, बल्कि करुणा और संयम ही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि करीब 100 साल पहले विदेशियों को संबोधित करते हुए महान वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चन्द्र बसु ने बताया था कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है और वे इसका अनुभव करते हैं। हमारे यहां गांव-देहात में रहने वाला सामान्य व्यक्ति भी जानता है कि संध्या के समय पेड़-पौधों को स्पर्श नहीं करना चाहिए अथवा पत्तियों और पुष्पों को नहीं तोड़ना चाहिए। हमारे देश में चर-अचर जगत में सभी को सम्मान दिया जाता है। पृथ्वी को माता मानकर उसकी पूजा की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मानव शरीर पंच तत्वों से मिलकर बना है और जैन दर्शन में पांच ज्ञानेन्द्रियां, पांच क्रमेन्द्रियां और मनुष्य के मन-मानस को विस्तार से परिभाषित किया गया है। जैन दर्शन में एकात्मवाद सहित उपवास, आत्मा, संस्कार आदि पर भी बहुत कुछ लिखा-कहा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा भोजन सात्विक होना चाहिए। जैसा आहार होगा, वैसा ही हमारा मन और विचार होंगे। परमात्मा ने एक चीज हम सबको दी है और वह है ऑक्सीजन, जो हम सबके जीवन के लिए जरूरी है। आज हमारी ऊर्जा का स्रोत भी सात्विक होना चाहिए। इसीलिए हमारी सरकार ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन में विशेष प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाजजनों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को शिक्षाविद् श्री स्वप्निल कोठारी एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेश चेलावत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्री मनोज पटेल, श्री गोलू शुक्ला एवं श्री सावन सोनकर, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री हरिनारायण यादव, श्री टीनू जैन, श्री सूरज कैरो सहित जैन समाज के संतगण, दोनों ही फेडरेशन्स के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

नोएडा एयरपोर्ट से पूर्वांचल के इस जिले को मिलेगा सीधा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के विकास पथ पर शनिवार को एक ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ी, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तैयार हुआ यह अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट राज्य को वैश्विक कनेक्टिविटी प्रदान करते हुए 'नए उत्तर प्रदेश की 'उड़ान' का प्रतीक बनेगा और वन ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को गति देगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जनपद को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से व्यापक लाभ होगा। जैसे जिले के प्रमुख उत्पाद (ओडीओपी ब्लैक पाटरी व रेशमी साड़ी) को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच मिलेगी।

स्थानीय उद्योग, कृषि व सेवा क्षेत्र को नई गति मिलेगी। निवेश और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

बेहतर कनेक्टिविटी से पर्यटन एवं व्यापार को बढ़ावा मिलेगा जनपद के उद्यमियों व व्यवसासियों ने जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उत्तर प्रदेश व जिले के लिए एक सौगात बताया। कहा कि यह यूपी व जनपदवासियों के लिए गौरवांवित होने का अवसर है।

क्या कहते हैं व्यवसायी- सदद्गुरु एग्रो इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरेक्टर यश जायसवाल ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट बन जाने से उद्यम को बढ़ावा मिलेगा और व्यापारियों के लिए नए अवसर खुलेंगे। इससे कनेक्टीविटी बढ़ेगी और दिल्ली के बजाय पर अब जेवर एयरपोर्ट से ही अंतराष्ट्रीय उड़ाने उपलब्ध होंगी।

परफार्मेस इंडिया कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर गौरव पांडेय ने बताया कि अब दिल्ली जाने की आवश्यकता कम हो जाएगी। जिससे समय की बचत के साथ व्यापार को भी गति मिलेगी।

जनपद के ओडीओपी ब्लैक पाटरी व रेशमी साड़ी से निर्माताओं व व्यवसायियों ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट बनने से व्यापार के नए रास्ते खुलेंगे और व्यवसाय में नए आयाम स्थापित होंगे, जिससे उद्यमियों एवं व्यापारियों को व्यापक लाभ मिलेगा।

यह परियोजना प्रदेश के हर जनपद को वैश्विक मंच से जोड़ते हुए लोकल से ग्लोबल की अवधारणा को साकार करेगी। युवाओं, विद्यार्थियों, स्टार्टअप करने वाले नए उद्यमियों आदि को भी इससे लाभ होगा।

65 वर्षीय वृद्धा की संदिग्ध मौत के 12 दिन बाद बड़े बेटे-बहू पर हत्या का केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। मच्छगर गांव स्थित सेक्टर-67 में रहने वाली वृद्धा की संदिग्ध मौत के 12 दिन बाद थाना सदर पुलिस ने मृतका के बड़े बेटे-बहू के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। वृद्धा की छोटी बहू ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसकी सास की हत्या जेठ और जेठानी ने मुआवजे की रकम हड़पने के लिए की है। यह घटना 16 मार्च की दोपहर एक बजे से तीन बजे के दरमियान की है।

घटना वाले दिन शिकायतकर्ता ने 112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया था। इससे पहले फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) टीम ने गहनता से घटनास्थल का निरीक्षण किया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर चोट के ताजा निशानों की पुष्टि की गई थी। एफएसएल की रिपोर्ट भी हत्या की बात से इंकार नहीं कर रही।

एयर इंडिया और ट्रैवल एजेंट पर हर्जाना; हवाई यात्रा रद होने पर रिफंड देरी पड़ी भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हवाई यात्रा रद होने पर रिफंड देरी से देना एयरलाइन और ट्रैवल एजेंट को महंगा साबित हुआ है। जिला उपभोक्ता आयोग एक शिकायत पर फैसला सुनाते हुए एयर इंडिया एयरलाइन और ट्रैवल एजेंट पर 10 हजार रुपये हर्जाना लगाया है।

आयोग ने सेक्टर-39 निवासी अमित अरोड़ा की शिकायत पर यह फैसला सुनाया है। उन्होंने पांच साल पहले आयोग में केस दायर किया था। अरोड़ा ने शिकायत में बताया था कि उन्होंने जून 2020 में परिवार सहित केन्या जाना था। इसके लिए उन्होंने 97748 रुपये में चार टिकट बुक करवाई थी।

उन्होंने 27 जून 2020 को जाना था और आठ जुलाई 2020 को उनकी वापसी थी। कोरोना के कारण लॉकडाउन लग गया और यात्रा रद कर दी गई। उन्होंने एयरलाइन से रिफंड मांगा, लेकिन उन्हें समय पर रिफंड नहीं दिया गया।

शिकायतकर्ता को रिफंड पाने के लिए लगातार संपर्क करना पड़ा। हालांकि एयरलाइन ने मार्च 2021 में ही पूरी राशि एजेंट को लौटा दी थी, लेकिन एजेंट ने पूरी रकम रिफंड नहीं की। ऐसे में उन्होंने उपभोक्ता आयोग में केस दायर कर दिया।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव ने खड़ा किया अवैध ड्रग का कारोबार, दिल्ली पुलिस ने 4.5 करोड़ की नशीली दवा समेत 5 को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक संगठित ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ कर चार आरोपित को गिरफ्तार किया है। साथ ही, एक नाबालिग को भी पुलिस ने धर दबोचा है। इनमें एक पहले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव था और अन्य आरोपित दवा के अलग-अलग धंधे से जुड़े हुए थे।

सभी ने जल्द अधिक से अधिक पैसे कमाने के लिए नशे में इस्तेमाल होने वाली दवाओं का अवैध कारोबार शुरू कर दिया था। इस अवैध धंधे ने सभी को हवालात पहुंचा दिया। इनकी निशानदेही पर 3.5 करोड़ की 3.539 किलोग्राम अल्प्राजोलम टैबलेट व एक करोड़ की 1.709 किलोग्राम ट्रामाडोल टैबलेट और कैप्सूल बरामद की गई है। डीसीपी राहुल अलवाल के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों में नितिन पाठक, उत्तर प्रदेश के कासगंज का रहने वाला है और बीएससी ग्रेजुएट है। वह पहले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के तौर पर काम करता था, जहां उसे डॉक्टर की पर्ची पर मिलने वाली दवाओं की भारी मांग के बारे में पता चला और उसने तेजी से रुपये कमाने के लिए अवैध रूप से दवाओं की सप्लाई का धंधा शुरू कर दिया।

प्रेम सिंह यादव, मंडोली का रहने वाला है और 12वीं पास है। वह पिछले तीन साल से भोपुरा में एक मेडिकल स्टोर चला रहा था। उसी दौरान उसके अवैध सप्लायरों से तार जुड़ गए थे। इसके बाद वह बिना वैध दस्तावेज के दवाएं बेचने लगा। शालू कुमार, लक्ष्मी नगर का रहने वाला है और 10वीं पास है। उसने 2018 में एक दवा कंपनी शुरू की थी, जो कोरोना के लॉकडाउन के दौरान बंद हो गई। इसके बाद, उसने जेनेरिक और डाक्टर की पर्ची पर मिलने वाली दवाओं के अवैध धंधे में कदम रख दिया। संजय सिंह, 2019 से 2021 तक भागीरथ प्लेस में मजदूर के तौर पर काम किया, जिसके बाद उसने अपना खुद का दवा सप्लाई का बिजनेस शुरू किया और ज्यादा मुनाफे के चक्कर में गैर-कानूनी धंधों में शामिल हो गया।

झारखंड में आयुष्मान योजना के नाम पर अस्पतालों से ठगी, फोन कर बनाया जा रहा निशाना; स्वास्थ्य विभाग ने किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड में स्वास्थ्य योजनाओं के विस्तार के साथ साइबर ठगी का नया और संगठित रूप सामने आया है। अब ठगों ने आयुष्मान योजना से जुड़े अस्पतालों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

राज्य के कई पैनल अस्पतालों को फर्जी काल कर खुद को स्वास्थ्य विभाग का नोडल अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का करीबी बताने वाले लोग संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह ठगी बेहद सुनियोजित तरीके से की जा रही है। फोन करने वाला व्यक्ति पहले अस्पताल प्रबंधन का विश्वास जीतता है और फिर यह दावा करता है कि अस्पताल के खिलाफ गंभीर शिकायत दर्ज हुई है या केंद्र से जांच टीम आने वाली है।

कई बार वह यह भी कहता है कि अस्पताल के आयुष्मान क्लेम में गड़बड़ी पाई गई है और मामला गंभीर है। इसके बाद वह मामले को सुलझाने के नाम पर पैसे या सिस्टम से जुड़ी गोपनीय जानकारी मांगता है।

आयुष्मान का झारखंड में व्यापक विस्तार- राज्य में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का व्यापक विस्तार हुआ है, वहां इस तरह की ठगी की आशंका अधिक हो जाती है। राज्य में बड़ी संख्या में निजी और सरकारी अस्पताल इस योजना से जुड़े हैं और क्लेम व भुगतान की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल प्लेटफार्म पर निर्भर है। यही कारण है कि साइबर अपराधी इस सिस्टम की कमजोर कड़ियों को निशाना बना रहे हैं।

सभी अस्पतालों को सतर्क रहने की चेतावनी- स्वास्थ्य विभाग ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी अस्पतालों और संबंधित संस्थानों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी अधिकारी फोन पर इस तरह की जानकारी या पैसे की मांग नहीं करता।

आयुष्मान योजना पूरी तरह कैशलेस है और सभी आधिकारिक संवाद केवल सत्यापित माध्यमों से ही किए जाते हैं। ऐसे में किसी भी संदिग्ध फोन या मैसेज को तुरंत नजरअंदाज कर संबंधित अधिकारियों को सूचना देने की सलाह दी गई है।

नकली प्रोटीन सप्लीमेंट रैकेट मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार, पहले हुई थी दो आरोपियों की गिरफ्तारी

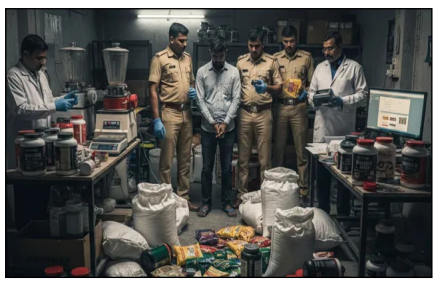

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली प्रोटीन सप्लीमेंट रैकेट मामले में नवीन कुमार उर्फ बंजारा नाम के एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। पिछली कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने मोहित तिवारी और मोहित दीक्षित नाम के दो आरोपित को गिरफ्तार किया था और उनसे 150 किलोग्राम नकली न्यूट्रिशन सप्लीमेंट तथा कई ब्रांडों के जाली स्टिकर बरामद किए गए थे। इस बार टीम ने हरियाणा के नवीन कुमार को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच पंकज कुमार के मुताबिक पहले गिरफ्तार किए गए दो आरोपितों से पूछताछ के आधार पर इंस्पेक्टर रामपाल के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी विश्लेषण व स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर शनिवार को नवीन कुमार को गिरफ्तार किर उसकी निशानदेही पर रानी खेड़ा गांव स्थित एक परिसर पर छापा मार वहां नकली प्रोटीन सप्लीमेंट बनाने और उनकी पैकेजिंग करने में लगी एक और अवैध निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। जांच से पता चला कि वह विभिन्न कच्चे पाउडर और फ्लेवरिंग एजेंटों को मिलाकर आप्टिमम न्यूट्रिशन और सिंथा-6 जैसे नामी ब्रांडों के नकली प्रोटीन सप्लीमेंट बना रहा था, और उन्हें जाली स्टिकर, होलोग्राम और सील का उपयोग करके नकली डिब्बों में पैक कर रहा था।

31 मार्च तक नामांकन अपडेट नहीं तो होगी कार्रवाई, जिला शिक्षा अधिकारी का सख्त अल्टीमेटम

प्रवेश उत्सव, साइकिल वितरण और ई-अटेंडेंस समेत 17 बिंदुओं पर समीक्षा, कमजोर परीक्षा परिणाम वाले 144 स्कूलों को नोटिस

दैनिक दिव्य संवाद/ उज्जैन। जिले में शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री ने सख्त रुख अपनाया है। शनिवार को हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी प्राचार्यों और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक में उन्होंने साफ चेतावनी दी कि 31 मार्च तक नामांकन अपडेट नहीं करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई तय है।

बैठक में एडीपीसी गिरीश तिवारी ने पीपीटी के जरिए बिंदुवार समीक्षा प्रस्तुत की। डीईओ ने सभी कार्य तय समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए और बाद में संकुल प्राचार्यों से अलग से चर्चा कर जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

नामांकन में सुधार पर जोर- जिले का नामांकन प्रदेश में फिलहाल 22वें स्थान पर है। डीईओ ने निर्देश दिए कि कक्षा 9 से 12 तक पास विद्यार्थियों को अगली कक्षा में और फेल को उसी कक्षा में मैप किया जाए, जबकि कक्षा 1 से 8 तक सभी को पास दर्ज कर आगे बढ़ाया जाए।

प्रवेश उत्सव और साइकिल वितरण की तैयारी- सभी स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रवेश उत्सव उत्साह के साथ मनाएं, विद्यार्थियों का स्वागत करें और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में पाठ्य पुस्तकें वितरित करें। साथ ही अप्रैल के पहले सप्ताह में साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित करने को कहा गया है।

कमजोर स्कूलों पर शिकंजा- कक्षा 9 में 49.37त्न से कम और कक्षा 11 में 75.51त्न से कम परिणाम वाले कुल 144 स्कूलों को कारण बताओ नोटिस (स्ष्टह्व) जारी किया जा रहा है। इन स्कूलों को तीन दिन में जवाब देना होगा, इसके बाद विशेष समीक्षा होगी।

प्रशासनिक और वित्तीय कार्यों पर भी सख्ती- डीईओ ने केश बुक 5 अप्रैल तक पूर्ण करने, अप्रैल में ही अपलेखन (निष्प्रयोज्य सामग्री हटाने), सभी उपकरणों की पोर्टल पर एंट्री और निर्माण कार्यों की निगरानी के निर्देश दिए।

डिजिटल सिस्टम और उपस्थिति पर फोकस- सभी कर्मचारियों का सत्यापन, ई-सर्विस बुक वेरिफिकेशन और ई-अटेंडेंस अनिवार्य किया गया है। अप्रैल से उपस्थिति को वेतन से जोड़ने की तैयारी है।

प्रशिक्षण और योजनाओं का क्रियान्वयन- ब्रिज कोर्स 1 अप्रैल से शुरू होगा। गणित, विज्ञान, संस्कृत और सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों को प्रशिक्षण से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं 'प्रोजेक्ट स्वाध्याय' के तहत अप्रैल में ही 40 हजार विद्यार्थियों को कोडिंग प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में योजना अधिकारी संगीता श्रीवास्तव, ई-दक्ष केंद्र मैनेजर अंकित बिसेन, आईटीआई प्राचार्य विवेक मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने भी संबोधित किया।

आपदा मित्र बने नाविक और फायरफाइटर

दैनिक दिव्य संवाद/ भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत उज्जैन जिले में संचालित युवा आपदा मित्र विभिन्न आपदाओं से निपटने हेतु तैयार किए जा रहे हैं। आपदा मित्र योजना का द्वितीय सत्र दिनांक 23 /3 /26 से 29/ 3 /26 तक होमगार्ड लाइन उज्जैन में संचालित किया जा रहा है ।

इस प्रशिक्षण सत्र में 165 युवा आपदा मित्रों को जिला सेनानी होमगार्ड श्री संतोष कुमार जाट के निर्देशन में विभिन्न आपदाओं से निपटने हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में आपदा मित्रों को बाढ़, भूकंप, आगजनी एवं मेडिकल इमरजेंसी सहित विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने के गुर होमगार्ड लाइन उज्जैन में सिखाए जा रहे हैं।

इस सत्र के पांचवें एवं छठवें दिवस में युवा आपदा मित्रों को रामघाट पर वोट हैंडलिंग का प्रशिक्षण दिया गया , इस दौरान आपदा मित्रों को बाढ़ में किस प्रकार चप्पू की मदद से वोट को चलाना है इसका प्रशिक्षण एसडीआरएफ की प्रशिक्षित टीम एवं प्लाटून कमांडर्स द्वारा दिया गया । आगजनी से बचने के लिए क्या-क्या सावधानियां रखनी है एवं आग लगने की स्थिति में किस प्रकार फायर एग्जीग्यूसर का उपयोग कर आग को नियंत्रित करना है इस बारे में मॉकड्रिल के माध्यम से युवा आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया गया। जिला सेनानी होमगार्ड उज्जैन श्री संतोष जाट ने बताया जिले में कुल 800 युवा आपदा मित्र तैयार किया जा रहे हैं ,यह आपदा मित्र प्रशिक्षण उपरांत विभिन्न पर्व एवं त्योहारों पर महत्वपूर्ण ड्युटियों का संपादन करेंगे युवा आपदामित्र आगामी सिंहस्थ 28 में घाट सुरक्षा सहित क्राउड मैनेजमेंट की महत्वपूर्ण ड्युटियों का संपादन कर सिंहस्थ को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे । युवा आपदा मित्रों को होमगार्ड एसडीआरएफ के प्लाटून कमांडर्स , एसडीआरएफ जवान सहित विभिन्न विषयों के विषय विशेषज्ञों के द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुई टीवी अभिनेत्री रूपाली गांगुली

उज्जैन। प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने रविवार सुबह महाकालेश्वर मंदिर में प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में होने वाली इस विशेष भस्म आरती में शामिल होकर अभिनेत्री ने श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना की और देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एस. एन. सोनी ने रूपाली गांगुली का स्वागत करते हुए उनका सम्मान किया। इस दौरान मंदिर के पुजारियों और अधिकारियों ने उन्हें मंदिर की परंपराओं एवं भस्म आरती की विशेषता की जानकारी भी दी। उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर में होने वाली भस्म आरती देश-विदेश में प्रसिद्ध है, जिसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं।

चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

उज्जैन। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड उज्जैन द्वारा जल संवर्धन विषय पर एक प्रेरणादायक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया गया। यह कार्यक्रम जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जनमानस में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से जल संरक्षण, जल बचत एवं जल के महत्व को सुंदर चित्रों के जरिए प्रदर्शित किया। चित्रों में जल ही जीवन है, बूंद-बूंद से सागर, तथा आज बचाएं जल, कल सुरक्षित भविष्य जैसे प्रभावशाली संदेशों को उकेरा गया, जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत बने।

इस अवसर पर अरुण व्यास विकासखंड समन्वयक, जन अभियान परिषद एवं सुनील बारोड, अशोक प्रजापति, विकेंद्र शर्मा, अर्पित रावल, पूर्णिमा गहलोत परामर्शदाताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान सभी को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई और दैनिक जीवन में जल के सदुपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना के साथ हुआ। इस प्रकार की गतिविधियां न केवल युवाओं में रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं, बल्कि समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा तहसील तराना में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

उज्जैन। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा गत दिवस तराना में किराना व्यापारी एसोसिएशन के सहयोग से खाद्य सुरक्षा के संबंध में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जनजागरूकता कार्यक्रम में विभाग द्वारा चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से खाद्य कारोबारकर्ताओं एवं आम उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों में होने वाली सम्भावित मिलावट एवं इसके सरल घरेलू परीक्षण के संबंध में जागरूक किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बी.एस. देवलिया द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के विभिन्न प्रावधानों, खाद्य लायसेंसिंग एवं रजिस्ट्रेशन, लायसेंस की शर्तों आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सही खान पान की आदतों को अपनाने, अपने दैनिक आहार में मिलेट्स अर्थात् मोटा अनाज, मौसमी फल, अनाज एवं हरी सब्जियां शामिल करने तथा भोजन में नमक, तेल व शक्कर की मात्रा संयमित करने व धीरे-धीरे कम करने के संबंध में जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त पैक्ड खाद्य पदार्थ खरीदने व विक्रय करने पर उसके लेबल पर अंकित जानकारी जैसे ङ्क बैच नम्बर, पैकिंग डेट, एक्सपायरी डेट, निर्माता का नाम एवं पता, एफएसएसएआई लायसेंस नम्बर जैसी आदि जानकारियां अवश्य पढ़ने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बी.एस. देवलिया, चलित खाद्य प्रयोगशाला के केमिस्ट श्री अशोक कुमार चौधरी एवं कर्मचारी तथा किराना व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री रंजन गैरा, सचिव श्री चंदन बर्डेजा, कोषाध्यक्ष श्री मुकेश चौहान, संरक्षक श्री ओमप्रकाश पलोड, श्री नरेन्द्र कानड़ी, श्री बलराम चौहान, श्री मोहन खंडुजा एवं सदस्य तथा नागरिक उपस्थित रहे।

उज्जैन से वाराणसी तक गूंजेगा विक्रम वैभव... महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के लिए कलाकारों ने शुरू की तैयारी

3 से 5 अप्रैल तक काशी में मंचन, 100 से अधिक कलाकार रोज 8 घंटे कर रहे रिहर्सल, लाइट-साउंड और युद्ध दृश्यों से जीवंत होगा इतिहास

उज्जैन। विक्रम उत्सव 2026 के तहत अब सांस्कृतिक यात्रा उज्जैन से निकलकर काशी की ओर बढ़ चली है। 3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन होगा, जिसके लिए उज्जैन के 100 से अधिक कलाकार दिन-रात पसीना बहा रहे हैं। देवास रोड स्थित शोध पीठ कार्यालय में रोजाना 7 से 8 घंटे तक कड़ा अभ्यास जारी है, जहां हर दृश्य को जीवंत बनाने के लिए तैयारी की जा रही है।

महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ और मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 15 फरवरी से 30 जून तक 139 दिवसीय विक्रम उत्सव आयोजित किया जा रहा है। उज्जैन से शुरू हुआ यह सांस्कृतिक अभियान अब बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी में अपने वैभव का प्रदर्शन करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल और रुचि से यह आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

इस प्रस्तुति को विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति, उज्जैन द्वारा मंचित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष राजेश सिंह कुशवाहा, सचिव विजेंद्र वर्मा और निर्देशक संजीव मालवीय के निर्देशन में कलाकारों की टीम मंचन को यादगार बनाने में जुटी है। महानाट्य को आधुनिक लाइट एंड साउंड तकनीक से तैयार किया जा रहा है, जिसमें हाथी-घोड़े, राजसी साज-सज्जा, विशाल मंच और आकर्षक नृत्य दर्शकों को रोमांचित करेंगे। विशेष रूप से युद्ध के दृश्य सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य और भारतीय इतिहास की वीरता को सजीव रूप में प्रस्तुत करेंगे।

देशभर में मिल चुकी है सराहना- विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी के अनुसार, भारतीय संस्कृति और महापुरुषों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस महानाट्य का निर्माण किया गया है। उज्जैन, भोपाल और हैदराबाद में इसके सफल मंचन के बाद अब यह काशी पहुंच रहा है। अप्रैल 2025 में दिल्ली के लाल किले पर हुए मंचन को भी हजारों दर्शकों ने सराहा था। उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सम्राट विक्रमादित्य के गौरव को जनमानस तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बताया था।

अब नजरें 3 अप्रैल पर टिकी हैं, जब काशी की धरती पर विक्रमादित्य का वैभव एक बार फिर इतिहास को जीवंत करेगा।

साई के जिम्नास्टिक टैलेंट कैंप में उज्जैन की लक्षिता का चयन

उज्जैन। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा पुणे में आयोजित होने वाले जिम्नास्टिक टैलेंट कैंप के लिए उज्जैन की प्रतिभावान खिलाड़ी लक्षिता मेवाड़ा का अंडर-12 वर्ग में चयन हुआ है। यह विशेष कैंप 31 मार्च 2026 से 20 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें शहर की यह उदीयमान खिलाड़ी सहभागिता करेगी।

जिला जिम्नास्टिक संगठन के अध्यक्ष सावन बजाज और सचिव ओपी शर्मा ने यह जानकारी दी। लक्षिता की इस राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि पर संस्था के संरक्षक नारायण यादव और कलावती यादव सहित एमजी सुपेकर, केके खंडेलवाल, सुनील यादव, राकेश खींची, महेंद्र राजपूत, नरेंद्र श्रीवास्तव, प्रशिक्षक मनोहर शर्मा आदी।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैश्विक भारत पर हुआ मंथन

देश-विदेश के विद्वानों ने विकास की चुनौतियों और युवा भूमिका पर रखे विचार

उज्जैन। महाश्वेता नगर स्थित मध्यप्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के कॉन्फ्रेंस हॉल में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर एसोसिएशन, अंतर्राष्ट्रीय युवा आर्थिक परिषद एवं मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ आर्थिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस संगोष्ठी में देश-विदेश के प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया।

संगोष्ठी का मुख्य विषय वैश्विक भारत विकास और चुनौतियां रहा, जबकि युवा भारत-विकसित भारत जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने भारत के बदलते वैश्विक परिदृश्य, आर्थिक विकास, सामाजिक बदलाव और युवाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव उपस्थित रहीं। इसके साथ ही प्रो. रघुराज किशोर तिवारी, प्रो. मधुकरभाई एस. पाडवी, प्रो. अर्पण भारद्वाज, प्रो. दिनेश कुमार शर्मा, प्रो. राजीव दीक्षित, डॉ. अनिल कुमार तिवारी, डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा, प्रो. रविन्द्र ब्रम्हे, डॉ. जसपाल सिंह, डॉ. अनिल शर्मा, प्रो. यतिन्द्र सिंह सिसोदिया, प्रो. एच.डी. करुणारत्ने श्रीलंका, डॉ. ब्लेस मारिकर बी. रामोस फिलीपींस, डॉ. लोकेश्वर सिंह जोधाना सहित अन्य अतिथियों ने सहभागिता की।

वक्ताओं ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है, लेकिन इसके साथ ही कई चुनौतियां भी सामने हैं, जिनका समाधान युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। संगोष्ठी में विभिन्न सत्रों के माध्यम से आर्थिक, सामाजिक और नीतिगत विषयों पर गहन चर्चा की गई।

आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल ज्ञान का आदान-प्रदान होता है, बल्कि युवाओं को नई दिशा और सोच भी मिलती है।

कलेक्टर श्री सिंह ने खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट, केडी गेट से बड़ा पुल मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने रविवार दोपहर खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट तथा केडी गेट से बड़ा पुल मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण कर सीआरएम का कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कार्यों को समय सीमा में मापदंड अनुसार पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में जानकारी दी गई कि खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट चौड़ीकरण के कार्य में डीपी शिफ्ट कर दी गई है और 33 केवी लाइन को मंगलवार से शिफ्ट किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा,जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सरकार संकल्प से समाधान अभियान से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय संकल्पना को साकार कर रही-प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल

उज्जैन । प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल की उपस्थिति में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय शिविर का आयोजन आगर रोड़ स्थित नगर निगम कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में सांसद श्री अनिल फिरोजिया, महापौर श्री मुकेश टटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट, स्मार्ट सिटी सीईओ श्री संदीप शिवा, एमआईसी सदस्य, विभिन्न वार्डों के पार्षद और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि जिले में ÷संकल्प से समाधान अभियान÷ के जिला स्तरीय शिविर के अवसर पर सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता और संतोष का अनुभव हो रहा है। यह अभियान केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन और जनकल्याण की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने यह संकल्प लिया कि शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। इसी उद्देश्य से 12 जनवरी 2026, युवा दिवस से 31 मार्च 2026 तक पूरे प्रदेश में ÷संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि ÷संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। जिले में जिला प्रशासन द्वारा इस अभियान के अंतर्गत शिविरों का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत क्लस्टर स्तर के शिविर, ब्लॉक/नगर स्तर के शिविर, और 1 जिला स्तरीय शिविर के माध्यम से शासन के विभिन्न विभागों की 106 योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाया और लगभग 1 लाख से अधिक प्राप्त आवेदन और शिकायतों का निराकरण किया गया। नगर पालिक निगम उज्जैन क्षेत्र में भी इस अभियान को व्यापक सफलता मिली। निगम क्षेत्र में जोन स्तर पर 8 शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें कुल 25,064 आवेदन एवं शिकायतों का निराकरण किया गया। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में आई खुशहाली और विश्वास के प्रतीक हैं।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान 2026 में राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, किसान कल्याण, कौशल विकास, नगरीय विकास, ऊर्जा, परिवहन, सहकारिता सहित विभिन्न विभागों ने मिलकर काम किया। यह वास्तव में सुशासन और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।उन्होंने अभियान के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन पर जिला प्रशासन एवं सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को शुभकामनाएं दी।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सरकार संकल्प से समाधान अभियान से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की अंत्योदय संकल्पना को साकार कर शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रहा है।

सांसद श्री फिरोजिया ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन से शुरू हुए संकल्प से समाधान अभियान द्वारा नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ घर घर पहुंचकर हितलाभ वितरित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन का संकल्प मुख्यमंत्री डॉ. यादव संकल्प से समाधान अभियान और अन्य अभियानों के माध्यम से धरातल पर उतार रहे हैं। संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत जिले में ग्राम पंचायत स्तर तक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य लाभ हितग्राहियों को घर-घर तक पहुंचाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की आयुष्मान भारत योजना से हितग्राहियों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया गया है, जिससे नागरिकों पर बीमारियों का इलाज कराने में आर्थिक बोझ नहीं हो। संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत हितग्राहियों को शासन की 100 से अधिक योजनाओं और सेवाओं का लाभ समय सीमा में घर-घर तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुशासन में पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति में भी पेट्रोल, डीजल और गैस की सतत् सप्लाई चालू है।

महापौर श्री टटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सुशासन की संकल्पना को पूर्ण करता संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ मिला। उन्होंने कहा कि उज्जैन नगर निगम द्वारा पीएम स्वनिधि के क्रियान्वयन में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत आज जिला स्तरीय शिविर में जिले के सभी स्वास्थ्यकर्मियों और उनके परिवारों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत किए गए कार्यों द्वारा जिले में अभियान का सफल क्रियान्वयन हुआ।

विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शासकीय योजनाओं में लाखों हितग्राहियों को लाभ वितरित किया गया है। यह मुख्यमंत्री डॉ. यादव का नागरिक कल्याण कर सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य है।

विकसित भारत के लिए हमें अपनी भूमिका तय करनी होगी- डॉ. देवेन्द्र विश्वकर्मा

विकसित भारत के लिए शोध और शिक्षा महत्वपूर्ण है - प्रो. मधुकरभाई एस. पाडवी

उज्जैन। सन् 1947 में हम स्वतंत्र हो गए, लेकिन जिस तेजी से हमारा आर्थिक और सामाजिक विकास होना चाहिए वह नहीं हो सका। राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति आय की अगर हम तुलना विकसित देशों से करें तो हमारी आय बहुत कम है, आज भी हमारी अर्थव्यवस्था और रोजगार कृषि पर आधारित है। अगर कृषि को उद्योग का साथ मिल जाए और हम निर्यात पर जोर दे तो हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

उक्त विचार मध्यप्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च केंद्र के सभागार में सोशल साइंस एंड मैनेजमेंट वेलफेयर एसोसिएशन, अंतर्राष्ट्रीय युवा आर्थिक परिषद एवं मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ आर्थिक परिषद के द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में युवा आर्थिक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ आर्थिक परिषद के सचिव डॉ. देवेन्द विश्वकर्मा ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि 2047 में युवाओं की बड़ी आबादी होगी, युवाओं को शिक्षा और

स्कील देने की आवश्यकता है। हमें रोजगार के नए-नए अवसर की ओर ध्यान देना होगा। आयात पर नियंत्रण कर निर्यात पर ध्यान देना होगा। चीन और रूस जैसे देशों पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी। विकसित भारत 2047 सरकार के साथ समाज को भी भूमिका तय करनी होगी।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. मधुकरभाई एस. पाडवी-अध्यक्ष आईसीएसएसआर दिल्ली और कुलपति, बिरसा मुंडा जनजाति विश्वविद्यालय गुजरात ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का मानना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युवाओं को कौशल मिलेगा और देश तेजी से विकास करेगा। शोध और नवाचार से भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। विकसित भारत के लिए शोध और शिक्षा महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर प्रो. यतींद्र सिंह सिसोदिया-डायरेक्टर एम.पी.आई.एस.एस.आर. ने ग्रामीण विकास की समस्या और समाधान पर अपना विषय रखा। प्रो. बी.पी. वीरभद्रपा-पूर्व कुलपति, कुवेम्पु विश्वविद्यालय कर्नाटक, प्रो. अर्पण भारद्वाज-कुलपति सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, डॉ. ब्लेस मारिकर बी. रामोस-फिलीपींस, प्रो. एस. के. मिश्रा, गौरव धाकड़ आदि ने भी संबोधित किया।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में डॉ. लोकेश्वर सिंह जोधाना, डॉ. विनोद सेन, प्रो. उत्सव आनंद, डॉ. आर.वी. रेड्डी, डॉ. दिलीप सिंह, डॉ. अंजली तिवारी आदि ने भी संबोधित किया। संगोष्ठी में देश-विदेश के लगभग 136 से अधिक प्राध्यापक एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रवीण कुमार झा ने किया।

एआई से कम समय में होगा सटीक बैंक ऑडिट, धोखाधड़ी रोकने पर मंथन

उज्जैन। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ऑडिटिंग एश्योरेंस एंड स्टैंडर्ड्स बोर्ड के अंतर्गत उज्जैन सीए ब्रांच द्वारा स्टैच्यूटरी बैंक ब्रांच ऑडिट विषय पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। ब्रांच चेयरमैन सीए आशीष तोतला ने बताया कि प्रतिवर्ष बैंकों का स्टैच्यूटरी ऑडिट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा किया जाता है। सीए सदस्यों को ऑडिट से संबंधित नवीनतम अपडेट और तकनीकी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया।

सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में हैदराबाद के सीए प्रेमनाथ और लातूर के सीए राहुल उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने बताया कि वर्तमान में वित्तीय धोखाधड़ी के नए तरीके सामने आने से बैंक ऑडिट अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने समझाया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के माध्यम से कम समय में अधिक सटीक ऑडिट कैसे किया जा सकता है। साथ ही बैंकिंग के उन क्षेत्रों की जानकारी दी, जहां जोखिम अधिक रहता है और जिनका सूक्ष्म परीक्षण करना आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन सीए आतुश जैन और सीए अनीश चौधरी ने किया। अतिथियों का सम्मान सीए आकृत जैन और सीए मनीष राठी ने किया। यह सेमिनार उपस्थित सीए सदस्यों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

अघोर अखाड़ा एवं श्री सेनापति काल भैरव गौसेवा संगठन का अष्टधारा मदिरा महायज्ञ 08 अप्रैल से 17 अप्रैल तक

उज्जैन। काल भैरव घाट स्थित श्री बम-बम भूतेश्वर महादेव मंदिर में अघोर अखाड़ा उज्जैन एवं श्री सेनापति काल भैरव गौसेवा संगठन उज्जैन के तत्वावधान में 08 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 तक अष्टधारा मदिरा महायज्ञ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में साधु संत,श्रद्धालुओं एवं साधक साधिकाओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना है, जिसके मद्देनज़र मंदिर समिति द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़ेश्वरी अघोरी बाबा योगी विष्णु नाथ महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि महायज्ञ का मुख्य स्वरूप 'मदिरा अर्पण' है। इसका मतलब नशा या दिखावा नहीं अपितु प्रतीकात्मक रूप से तामसिक प्रवृत्तियों–काम, क्रोध, मोह, लोभ एवं अहंकार–का त्याग कर भगवान काल भैरव के चरणों में समर्पित करके समाज व देश की उज्ज्वल भविष्य की कामना करने के लिए है। इस महायज्ञ का उद्देश्य व्यक्ति के आंतरिक शुद्धिकरण, मानसिक संतुलन एवं समाज कल्याण की भावना को बढ़ावा देना है।

साथ ही, इसके माध्यम से सेवा, त्याग, परोपकार एवं सनातन धर्म के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया जाएगा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं तांत्रिक अनुष्ठान, पूजन-अर्चन एवं श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी भंडारे की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम में देशभर से कई अखाड़ों के संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।आयोजक मंडल एवं सेनापति गौ सेवा संगठन प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत निक्की टांक ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस धार्मिक आयोजन में पुण्य लाभ अर्जित करें एवं आयोजन को सफल बनाएं।

सिंहस्थ महापर्व के अस्थायी कार्यों के लिए एक समग्र एवं प्रभावी कार्य योजना तैयार की जाए- संभागायुक्त श्री सिंह

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों ने पकड़ा जोर, अस्थायी कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए प्रशासन द्वारा तैयारियों को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में रविवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय में संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंहस्थ के दौरान किए जाने वाले विभिन्न अस्थायी कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित अस्थायी कार्यों की समीक्षा करते हुए मेला क्षेत्र के समतलीकरण, जल प्रदाय व्यवस्था, घाटों पर प्रकाश व्यवस्था, अस्थायी शौचालय एवं स्नानगृह निर्माण, कचरा संग्रहण एवं प्रबंधन, शहर के सौंदर्यीकरण सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों द्वारा इन कार्यों के क्रियान्वयन की रूपरेखा एवं संभावित चुनौतियों पर भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए गए।

संभागायुक्त सह मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग अपने-अपने प्रस्तावित अस्थायी कार्यों की सूची अंतिम रूप में शीघ्र प्रस्तुत करें, ताकि समयबद्ध तरीके से कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि अस्थायी कार्यों के लिए एक समग्र एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बैठक में जिला कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह एवं नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वास्तु सलाहकार पारस जैन आचार्य वराहमिहिर सम्मान से अलंकृत

विचार क्रांति साहित्य मंच ने मनाई जयंती, चार अन्य साहित्यकारों का भी हुआ सम्मान

उज्जैन। खगोलविद् आचार्य वराहमिहिर की जयंती चैत्र शुक्ल विजयादशमी के अवसर पर शहर के साहित्यकारों ने हर्षोल्लास के साथ उन्हें स्मरण किया। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के वाग्देवी भवन सभागृह में विचार क्रांति साहित्य मंच कायथा द्वारा जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

संस्था अध्यक्ष सुगनचंद जैन ने बताया कि समारोह कुलानुशासक प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता, संस्कृत विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष तुलसीदास परोहा, प्रेमचंद सृजन पीठ के निदेशक मुकेश जोशी, चित्रकार श्रीकृष्ण जोशी और प्रोफेसर जगदीश शर्मा के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आचार्य वराहमिहिर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा की गई। इस दौरान कायथा निवासी वास्तु सलाहकार और ज्योतिर्विद पारस जैन को आचार्य वराहमिहिर सम्मान 2026% से अलंकृत किया गया। इसी क्रम में

साहित्यकार दिलीप जैन को साहित्य महारथी सम्मान, सत्यनारायण नाटाणी सत्येंद्र को साहित्य सारथी सम्मान, अक्षय चवरे को साहित्य भारती सम्मान और नवोदित कलमकार तरुण उपाध्याय तरुण को साहित्य विद्यार्थी सम्मान प्रदान किया गया।

ज्ञान को विज्ञान से जोड़कर विश्व को किया प्रकाशमान

मुख्य अतिथि ने कहा कि वराहमिहिर स्वयं एक सक्षम साहित्यकार थे। उनकी जयंती पर साहित्यकारों का सम्मान उन्हें सच्ची पुष्पांजलि है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर शैलेंद्र शर्मा ने कहा कि नवरत्नों में श्रेष्ठ रत्नशिरोमणि वराहमिहिर सिर्फ ज्योतिष के ज्ञानी ही नहीं थे, बल्कि वे विज्ञान की ऐसी प्रयोगशाला थे जिन्होंने अपने ज्ञान को धर्म और विज्ञान से जोड़कर ऐसे सिद्धांत प्रतिपादित किए, जिनकी रश्मियों से सम्पूर्ण विश्व प्रकाशमान हुआ है।

कविताओं के माध्यम से दी भावांजलि

कार्यक्रम में ज्योतिष विचार मंच के सचिव संजीव पांचाल भटुनी, अजमेर के ज्योतिषाचार्य राजेंद्र गुप्ता, आगर के ज्योतिर्विद राजेंद्र शर्मा और इंदौर के नंदकिशोर चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों के व्याख्यान के पश्चात साहित्यकारों ने काव्य पाठ किया। खुश्बू बाफना ने सरस्वती वंदना और आचार्य वराहमिहिर पर कविता का वाचन किया। डॉ. रमेशचंद्र चागेंसिया, रमेश मंदोरिया मयंक, नंदकिशोर पांचाल, संगीता तल्हैरा, शारदा श्री और अनिल पांचाल ने आचार्य की जन्मभूमि को रेखांकित करते हुए कविताएं पढ़ीं। वरिष्ठ कवि अशोक भाटी ने शिखर कलश कविता प्रस्तुत की।

बैंकर्स संस्था प्राची के डायरेक्टर व व्यंग्यकार शशांक दुबे और जीएल निगम ने सम्मानित साहित्यकारों को पुष्पमाला पहनाकर अपनी संस्था की ओर से सम्मान किया।

मुकेश जोशी, सेवानिवृत्त शिक्षक मदनलाल राठौर, कृष्ण कान्त नागर, राजेश जैन और सेजमल कछवाय ने सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। संस्था प्रमुख सुगनचंद जैन ने काव्यमय प्रस्तुति के साथ आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विचार क्रांति साहित्य मंच के संयोजक अनिल पांचाल सेवक ने किया।

महानंदा नगर स्विमिंग पूल पर 30 मार्च से शुरू होगा तैराकी प्रशिक्षण शिविर

उज्जैन। महानंदा नगर स्पोर्ट्स एरिना स्थित स्विमिंग पूल पर 30 मार्च से तैराकी प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ होने जा रहा है। इस ट्रेनिंग कैंप में तैराकी विधा के अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के तैराकों और अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रबंधक देवेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण शिविर के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। इच्छुक नागरिक महानंदा नगर स्विमिंग पूल पर सुबह 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों के ट्रेनिंग कैंप में प्रशिक्षण के लिए विशेष एक्सपर्ट मौजूद रहेंगे। तैराकी के शुल्क के संबंध में बताया गया कि मासिक शुल्क 1500 रुपये और तीन माह का एकमुश्त शुल्क 4000 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त ट्रेनिंग का शुल्क 1500 रुपये रहेगा।

डॉ. अभिषेक दास महाराज बने हिंदुत्व रक्षा महासंघ के जिलाध्यक्ष

उज्जैन। हिंदुत्व रक्षा महासंघ द्वारा संगठन विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से उज्जैन में महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रख्यात कानूनविद एवं आध्यात्मिक विचारक डॉ. राव बहादुर सिंह ने महामंडलेश्वर आचार्य डॉ. अभिषेक दास महाराज को वर्ष 2026 के लिए उज्जैन का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष से संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और अनुशासन के साथ कार्य करते हुए हिंदुत्व एवं गौसेवा के अभियान को गति प्रदान करने की अपेक्षा की गई है। साथ ही, वे सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्हें अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़कर शीर्ष नेतृत्व की अपेक्षाओं के अनुरूप जिला कार्यकारिणी का गठन करने का दायित्व भी सौंपा गया है।

जिलाध्यक्ष के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में हर्ष और उल्लास का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का फूल मालाओं से स्वागत सत्कार किया। इसके पश्चात उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जिले और राज्यभर से बधाइयों का दौर शुरू हो गया है और उनके निवास पर मिलने वालों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

महाकाल मंदिर में गेट नंबर 4 से प्रवेश रोकने पर आक्रोश

उज्जैन। महाकालेश्वर मंदिर में नित्य दर्शनार्थियों को गेट नंबर 4 से प्रवेश देने पर रोक लगाने और अन्य अव्यवस्थाओं को लेकर नित्य दर्शनार्थी भक्त मंडल ने मंदिर प्रशासक को ज्ञापन सौंपा है। भक्त मंडल के अध्यक्ष रवि राय के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि नित्य दर्शनार्थियों की दर्शन व्यवस्था गेट नंबर 4 से ही रखी जाए, वरना बुधवार को बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

रवि राय ने बताया कि 29 मार्च को नित्य दर्शनार्थियों को गेट नंबर 4 से प्रवेश नहीं करने दिया गया और उन्हें गेट नंबर 1 से जाने के लिए कहा गया। इस नई व्यवस्था से भक्तों को काफी परेशानी हुई और वे मंदिर परिसर स्थित कोटेश्वर महादेव के दर्शन से भी वंचित रह गए।

सुरक्षाकर्मियों के व्यवहार और सुविधाओं पर उठाए सवाल- ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मी भक्तों के साथ अभद्रता करते हैं, अतः उन्हें हटाया जाए। साथ ही सेना की वर्दी जैसी ड्रेस पहनने वाले गार्ड्स की ड्रेस में बदलाव की मांग की गई है। गर्मी के कारण गेट नंबर 1 और मानसरोवर गेट पर भक्तों के पैर

जलने की समस्या का उल्लेख करते हुए वहां पेयजल, छाया और स्थायी जूते-चप्पल स्टैंड की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया है। इसके अलावा गेट नंबर 4 के सामने कई दिनों से बंद पड़े दीवार के निर्माण कार्य को भी जल्द पूरा करने की बात कही गई है।

निशुल्क लड्डू प्रसादी और विष्णु प्रतिमा की स्थापना की मांग

भक्त मंडल ने प्रमुख मांग रखते हुए कहा है कि संध्या आरती और शयन आरती में जो 250 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है, उसके बदले भक्तों को लड्डू का प्रसाद निशुल्क दिया जाना चाहिए। शंख द्वार के सामने से हटाई गई भगवान विष्णु की प्रतिमा को तत्काल किसी अन्य स्थान पर पुनः स्थापित करने, परिसर स्थित प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार करने, नंदी के आसपास से बैरिकेड्स हटाने और नित्य दर्शनार्थियों के नवीन आवेदनों को स्वीकृति प्रदान करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है।

वकीलों, महिलाओं और भक्तों ने दर्ज कराया विरोध- इस ज्ञापन में बड़ी संख्या में वकीलों, महिलाओं और भक्तों ने अपने हस्ताक्षर कर समर्थन जताया है। इनमें रवि राय, महेंद्र कटियार, अधिवक्ता मनीष मनाना और अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह परिहार सहित कई वकील मौजूद रहे। महिलाओं में पिंकी यादव, मंजू शर्मा, अल्का मिश्रा, साधना चौहान, रेखा मिश्रा, ज्योति चौहान, रूपाली अग्रवाल, गायत्री कुशवाह, चंद्रकांता मीणा, निशा राठौर और आशा सूर्यवंशी शामिल थीं। इसके साथ ही अनुदीप गंगवार, जितेंद्र सिंह गंगवार, प्रीतम सिंह चंदेल, अंकित भावसार, दीपक जोशी, रवि मेवाड़ा, ब्रजमोहन मिश्रा, गोपाल शर्मा और नीलेश शर्मा आदि ने भी अव्यवस्थाओं के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया।

संपादकीय

प्रतिस्पर्धा से परे शिक्षा

आज की दुनिया में, प्रतिस्पर्धा अक्सर शैक्षिक प्रणालियों पर हावी हो जाती है, जिससे यह तय होता है कि छात्र कैसे सीखते हैं और उनकी सफलता कैसे मापी जाती है। जबकि प्रतिस्पर्धा प्रेरणा और नवीनता को बढ़ावा दे सकती है, यह अनुचित तनाव भी पैदा कर सकती है, रचनात्मकता को दबा सकती है और सहयोग में बाधा डाल सकती है। शिक्षा को प्रतिस्पर्धा से परे स्थानांतरित करने में अधिक समावेशी, छात्र-केंद्रित और विकासोन्मुख दृष्टिकोण अपनाना शामिल है।

1. व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें- वैयक्तिकृत शिक्षण व्यक्तिगत रुचियों, शक्तियों और सीखने की शैलियों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करना, जिससे छात्रों को अपनी गति से प्रगति करने की अनुमति मिलती है।

आंतरिक प्रेरणा- छात्रों को बाहरी पुरस्कार या रैंकिंग के बजाय जिज्ञासा और आत्म-सुधार के लिए सीखने के लिए प्रोत्साहित करें।

2. तुलना की अपेक्षा सहयोग- टीमवर्क-उन्मुख परियोजनाएँ: डिज़ाइन गतिविधियाँ जो व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सहयोग और सामूहिक समस्या-समाधान पर जोर देती हैं।

सहकर्मी शिक्षण- आपसी समझ और साझा विकास को बढ़ावा देने के लिए सहकर्मी से सहकर्मी शिक्षण की सुविधा प्रदान करें।

3. समग्र मूल्यांकन- पोर्टफोलियो-आधारित मूल्यांकन: मानकीकृत परीक्षणों को उन तरीकों से बदलें जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और भावनात्मक बुद्धिमत्ता सहित छात्र के समग्र विकास को प्रदर्शित करते हैं।

ग्रेड पर फीडबैक: रचनात्मक फीडबैक प्रदान करें जो संख्यात्मक या अक्षर ग्रेड के बजाय सुधार के क्षेत्रों पर केंद्रित हो।

4. भावनात्मक और सामाजिक विकास- माइंडफुलनेस प्रैक्टिस: माइंडफुलनेस, ध्यान और भावनात्मक जागरूकता कार्यक्रमों को पाठ्यक्रम में एकीकृत करें।

संघर्ष समाधान कौशल: छात्रों को सहानुभूति और सम्मान को बढ़ावा देते हुए विवादों और मतभेदों को रचनात्मक ढंग से हल करना सिखाएं।

5. अंतःविषय और अनुभवात्मक शिक्षा- वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग: छात्रों को सामुदायिक परियोजनाओं, इंटर्नशिप और व्यावहारिक अनुभवों में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करें।

अंतर-अनुशासनात्मक संबंध: ज्ञान की अधिक एकीकृत समझ को बढ़ावा देने के लिए विषयों के बीच की सीमाओं को धुंधला करें।

6. समावेशिता और पहुंच- सीखने के लिए सार्वभौमिक डिज़ाइन (यूडीएल): विभिन्न शिक्षण आवश्यकताओं को समायोजित करने वाली शिक्षण विधियों और सामग्रियों का विकास करें।

अवसरों में समानता: सुनिश्चित करें कि सभी छात्रों को, पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, गुणवत्तापूर्ण संसाधनों और समर्थन तक पहुंच हो।

प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ने के लाभ- तनाव में कमी: छात्र साथियों से बेहतर प्रदर्शन करने के लगातार दबाव के बिना अपनी सीखने की यात्रा पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

बढ़ी हुई रचनात्मकता: एक सहायक वातावरण जोखिम लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करता है। मजबूत समुदाय: सहयोग अपनेपन और साझा उद्देश्य की भावना को बढ़ावा देता है। आजीवन सीखना: छात्र ऐसे कौशल और दृष्टिकोण विकसित करते हैं जो निरंतर व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास को प्रेरित करते हैं। प्रतिस्पर्धा से परे शिक्षा की पुनर्कल्पना केवल स्कूलों को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि सहयोग, समानता और प्रत्येक व्यक्ति की विविध क्षमता को महत्व देने के लिए समाज को नया आकार देने के बारे में है।

अर्थव्यवस्था में तेजी के मुश्किल है विकल्प

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सरकार की आय और व्यय के रुझानों की अर्द्धवार्षिक समीक्षा प्रस्तुत की है। अगर सरसरी तौर पर देखा जाए तो इस दस्तावेज के पाठ में कुछ खास नहीं नजर आता है। वित्त मंत्रालय ने संकेत दिया है कि चालू वर्ष की पहली छमाही में हुई राजस्व प्राप्तियां बजट अनुमान की करीब 52 फीसदी रहीं। यह पांच वर्ष के औसत से बेहतर प्रदर्शन है। इस दौरान राजकोषीय घाटा भी सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी के प्रतिशत के रूप में साल की पहली छमाही के लिए तय मानक से कम रहा। इससे ऐसा प्रतीत हो सकता है कि अब जबकि केंद्रीय बजट जल्दी ही पेश किया जाना है, तो उसकी तैयारी के दौरान देश की वृहद आर्थिक स्थिति खासी सहज है। यकीनन दस्तावेज तो यही बताता है कि सरकार राजकोषीय मजबूती की राह पर बढ़ रही है। इसमें कोई खास चिंता नहीं दर्शाई गई है। बहरहाल, अर्द्धवार्षिक समीक्षा से राहत की बात शायद पूरी तरह सच नहीं हो।

यदि इस दस्तावेज को अलग ढंग से देखा जाए तो यह ऐसी उल्लेखनीय कमियां भी सामने लाता है जो वित्त मंत्रालय को चिंतित कर सकती हैं। ऐसी कमियों वाले अधिकांश क्षेत्र वृद्धि के क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन से संबंधित हैं। अर्थव्यवस्था में यह कमजोरी पिछली तिमाही में नजर आई। चुनावों के चलते कम व्यय के साथ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में वास्तविक वृद्धि केवल छह फीसदी रही। चूंकि नॉमिनल वृद्धि, जैसा कि केंद्रीय बजट में प्रावधान किया गया, 10.5 फीसदी होनी थी लेकिन यह एक फीसदी से अधिक कम हो गई। ऐसे में बजट का गणित जटिल हो गया है। ये बातें अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट के डेटा में सामने आई हैं।

राजस्व प्राप्तियां पांच साल के औसत से अधिक होने के बावजूद कोई फर्क पड़ता नहीं नजर आता है। ऐसा इसलिए कि बीते पांच साल की इस गणना में वे असाधारण वर्ष भी शामिल हैं जब देश और दुनिया महामारी की चपेट में थी। पूंजीगत व्यय की बात करें तो वृद्धि में मदद करने वाला यह व्यय भी पहली छमाही में तुलनात्मक वर्षों की अपेक्षा कम रहा है। यह भी सरकार की दुविधा को उजागर करता है। अगर उसे वृद्धि को गति देनी है तो वह व्यय बढ़ाने का जोखिम ले सकती है।

परंतु मौजूदा वर्ष के बजट अनुमानों के आधार पर पहली छमाही में राजकोषीय घाटे के कमजोर आंकड़े, वास्तविक नॉमिनल जीडीपी को सही ढंग से परिलक्षित नहीं करते। वर्ष के अंतिम राजकोषीय घाटे की गणना इसी आधार पर की जाती है। एक वास्तविक जोखिम यह है कि व्यय के लिए पहले अनुमानित मार्ग पर वापसी भी सरकार को घाटे के लक्ष्य से गुजरने पर विवश करेगी।

जाहिर है सरकार के सामने आसान विकल्प नहीं हैं। वर्ष की अंतिम तिमाही में वृद्धि को लेकर आशावादी दृष्टिकोण अपनाने का लालच रहेगा ताकि बजट के गणित को आसान बनाया जा सके। परंतु ऐसा करना गलत होगा। मौजूदा प्रशासन ने वृद्धि और राजस्व को लेकर तार्किक और बचाव योग्य बाह्य निष्कर्षों के इस्तेमाल पर जोर दिया है। बाजारों ने इस संयम के लिए पुरस्कृत भी किया है। कड़े परिश्रम से हासिल इस प्रतिष्ठा से मिली वृहद आर्थिक स्थिरता को अत्यधिक आशावादी अनुमानों के कारण जोखिम में नहीं डालना चाहिए। आखिर में सरकार को अपेक्षाकृत कम वृद्धि (तथा राजस्व एवं व्यय) अथवा राजकोषीय लक्ष्यों को टालने के बीच चयन करना होगा। आखिर में अगर यह वर्ष वृद्धि के क्षेत्र में सकारात्मक ढंग से चौंकाने वाला साबित होता है तो अच्छा ही होगा। परंतु अब तक के आंकड़ों के आधार पर सरकार को बजट में कुछ मुश्किल चयन करने होंगे।

आत्मनिर्भर बनें शहरी स्थानीय

नगर निकायों के वित्त पर भारतीय रिजर्व बैंक की हालिया रिपोर्ट बताती है कि 50 फीसदी से ज्यादा नगर निगम अपने बल पर आधे से भी कम राजस्व अर्जित कर पाते हैं और 2022-23 में सरकार से उन्हें मिलने वाली रकम 20 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ गई।

नगर निकायों को अधिक प्रशासनिक स्वायत्ता तथा वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए स्थानीय प्रशासन का विकेंद्रीकरण बहुत जरूरी है। नगर निकायों का राजस्व बढ़ाना वित्तीय जरूरत नहीं है बल्कि यह प्रभावी शहरी प्रशासन के लिए बुनियादी जरूरत है। नगर पालिकाएं अपने आय के स्रोतों में विविधता लाकर तथा राजकोषीय क्षमताओं को बढ़ाकर अधिक सक्रिय तथा टिकाऊ शहरी प्रबंधन नीतियां तैयार कर सकती हैं।

नगरीय निकायों के प्रभावी वित्तीय प्रबंधन में दोहरा दृष्टिकोण शामिल होता है, जिसके तहत सरकार के उच्चतर स्तरों से वित्तीय अंतरण और स्थानीय राजस्व का अच्छे ढंग से सृजन, उपयोग तथा आवंटन जरूरी होता है। भारत में शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय स्वायत्तता हासिल करने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है क्योंकि उन्हें सीमित मात्रा में अधिकार और संसाधन मिले हैं।

भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का केवल 0.45 फीसदी हिस्सा वित्तीय अंतरण के तौर पर नगर निकायों को दिया जाता है। इसके उलट ब्राजील, इंडोनेशिया, फिलिपींस और मेक्सिको जैसे देशों में जीडीपी का 1.6 फीसदी से 5.4 फीसदी तक नगर निकायों को मिल जाता है। यूरोपीय देशों में उन्हें जीडीपी का 6 से 10 फीसदी तक आवंटित किया जाता है। इससे पता चलता है कि स्थानीय प्रशासन को सहारा देने के लिए मजबूत अंतरसरकारी राजकोषीय व्यवस्थाएं कितनी जरूरी हैं। इन अंतरराष्ट्रीय मानकों से यह भी पता चलता है कि भारत में नगर निकायों को मिलने वाला धन या वित्तीय अंतरण बढ़ाए जाने की कितनी अधिक जरूरत है। साथ ही यह भी जरूरी है कि नगर निकाय स्वयं राजस्व तैयार करें, जिसमें अभी तक वे बुरी तरह पिछड़ रहे हैं।

इस दूसरे पहलू की बात करें तो देश में नगर निकायों की वित्तीय स्थिति कई चुनौतियों से जूझती है। इसमें राजस्व संग्रह कम रहना, राज्यों और केंद्र से वित्तीय अंतरण पर बहुत अधिक निर्भर होना और म्युनिसिपल उधारी में इजाफा होना शामिल हैं। रिजर्व बैंक की 'नगर निकायों में राजस्व सृजन के अपने स्रोत: अवसर और चुनौतियां' शीर्षक वाली इसी साल आई रिपोर्ट में इन चुनौतियों पर नजर डाली गई है।

नगर निकायों ने जीडीपी के 0.6 फीसदी के बराबर ही राजस्व तैयार किया, जबकि राज्य सरकारों ने 14.6 फीसदी और केंद्र सरकार ने 9.2 फीसदी राजस्व सृजित किया। इसके परिणामस्वरूप वित्तीय अंतरण पर निर्भरता बहुत अधिक हो गई। 2022-23 में केंद्र से 24.9 फीसदी और राज्य सरकारों से अंतरण 20.4 फीसदी बढ़ गया। नगर निकायों की उधारी भी सबको चौंकाते हुए 363.06 फीसदी बढ़ गई है। 2019-20 में यह केवल 2,886 करोड़ रुपये थी, जो 2023-24 में बढ़कर 13,364 करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

शहरी इलाकों में उच्च गुणवत्ता वाली जन सेवाओं की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए रिपोर्ट में भौगलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) से मैपिंग, डिजिटल भुगतान प्रणाली और संपत्ति के बढ़ते मूल्य को सही तरीके से दिखाने वाली बेहतर संपत्ति कर प्रणाली को अपनाने की सिफारिश की गई। ध्यान रहे कि कर राजस्व का सबसे अहम स्रोत संपत्ति कर ही होता है।

स्थानीय निकाय कर से राजस्व नहीं कमा सकते, इसलिए कर के अलावा अन्य स्रोतों से राजस्व बढ़ाना बहुत जरूरी है और उसके लिए रिपोर्ट महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और त्रिपुरा का उदाहरण देकर 'उपयोगकर्ता शुल्क' शुरू करने का सुझाव देती है। यह शुल्क जलापूर्ति, सफाई और कचरा प्रबंधन जैसी जरूरी सेवाओं पर लगाया जा सकता है। हालिया रिपोर्ट 'म्युनिसिपल परफॉर्मेंस ऑफ इंडियन सिटीज: एन इवैलुएशन बेस्ड ऑन यूओएफ डेटा' में भारत के शहरी निकायों की चुनौतियां दी गई हैं। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा जुटाए गए आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए इस अध्ययन में 134 नगर पालिकाओं के प्रदर्शन को कसौटी पर कसा गया है। इसमें पांच अहम अंगों ङ्क प्रशासन, सेवा, प्रौद्योगिकी, नियोजन तथा वित्त को 20 क्षेत्रों और 100 संकेतकों पर परखा गया है।

इस आकलन में वित्तीय स्थिति का अध्ययन अहम जानकारी देता है। इसमें नगर पालिकाओं को चार अहम पैमानों ङ्क राजस्व प्रबंधन, व्यय प्रबंधन, राजकोषीय उत्तरदायित्व और राजकोषीय विकेंद्रीकरण पर जांचा गया है। राजस्व प्रबंधन की बात करें तो लगभग 50 फीसदी नगर पालिकाएं अपने कुल राजस्व का केवल 23 प्रतिशत स्वयं सृजित करती हैं और कर राजस्व पर बहुत अधिक निर्भर रहती हैं। 22 नगर पालिकाओं का 80 फीसदी राजस्व कर से ही आता है। शायद सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि आधी नगर पालिकाएं राज्य तथा केंद्र सरकार के अनुदान को छोड़कर वित्त के दूसरे वैकल्पिक स्रोत तैयार नहीं कर पा रही हैं।

व्यय प्रबंधन की पड़ताल करने पर नगरपालिकाओं की वित्तीय कुशलता पर और भी बारीक जानकारी मिलती है। केंद्र से मिले अनुदान का इस्तेमाल करने में नगर पालिकाओं की औसत दक्षता दर 59 फीसदी है और राज्य अनुदान के मामले में औसत दर 67 फीसदी है। अधिकतर नगर पालिकाएं कर राजस्व को सबसे पहले वेतन पर खर्च करती हैं, जिससे उनका प्रति व्यक्ति पूंजी व्यय कम रह जाता है।

राजकोषीय जवाबदेही में नगर पालिकाओं के अनुभव उम्मीद जगाते हैं। पिछले तीन साल से नगर पालिकाओं ने 10 फीसदी से अधिक बजट अधिशेष रखा है। इससे संकेत मिलता है कि उन्होंने काफी वित्तीय समझदारी और स्थिरता दर्शाई है। मगर राजकोषीय विकेंद्रीकरण पर मिले निष्कर्ष बड़ी व्यवस्थागत चुनौतियों की ओर इशारा करते हैं। 109 नगर पालिकाओं यानी करीब 81 फीसदी नगर पालिकाओं के पास स्वयं उधारी लेने या निवेश करने के अधिकार नहीं हैं। वित्तीय निर्णयों के लिए उन्हें राज्यों से मंजूरी लेनी पड़ती है। इसने स्थानीय शासन की स्वायत्तता बहुत घट जाती है। ये आकलन नगर निकायों की वित्तीय स्थिति पर रिजर्व बैंक की रिपोर्ट से मेल खाते हैं। इन रिपोर्ट में दी गई जानकारी नए संस्थागत ढांचे की जरूरत बताती हैं, जहां नगर पालिकाएं विकास की रणनीतियों के केंद्र में होनी चाहिए और उनके पास अधिक प्रशासनिक तथा वित्तीय स्वायत्तता भी होनी चाहिए।

मिट्टी को हरा-भरा बनाएं

विजय गर्ग - केंद्र सरकार द्वारा सभी तीन मुख्य श्रेणियों, अर्थात् कीटनाशक, कवकनाशक और खरपतवारनाशक, में 27 सामान्य रूप से प्रयुक्त कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सही दिशा में उठाया गया कदम है।

भारत में कीटनाशकों, कवकनाशकों और खरपतवारनाशकों की तीनों मुख्य श्रेणियों में 27 आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने के केंद्र के फैसले से विभिन्न हितधारकों, विशेष रूप से उद्योग के एक खास वर्ग में चिंता की स्थिति पैदा हो गई है। इस मुद्दे और इसके प्रभावों को समझने के लिए आइए कुछ तथ्यों को क्रम से रखते हैं। कीटनाशकों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण और उपयोग को मनुष्यों या जानवरों के लिए जोखिम को रोकने और उससे जुड़े मामलों के लिए कीटनाशक अधिनियम (1968) के तहत विनियमित किया जाता है। पंजीकरण समिति (आरसी) - अधिनियम के तहत स्थापित - फार्मूले की जांच करने, मनुष्यों और जानवरों के लिए प्रभावकारिता और सुरक्षा के दावों को सत्यापित करने और विषाक्तता और किसी भी अन्य कार्यों के खिलाफ सावधानियों को निर्दिष्ट करने के बाद प्रत्येक कीटनाशक को पंजीकृत करती है।

समय-समय पर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय - कीटनाशकों के विनियमन के लिए नोडल मंत्रालय - पंजीकृत कीटनाशकों की समीक्षा का आदेश देता है, खास तौर पर मनुष्यों, जानवरों और पर्यावरण के लिए इनसे होने वाले जोखिम के संदर्भ में। विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा जांच के आधार पर, यह उचित निर्णय पर पहुंचता है कि क्या उनके निरंतर उपयोग की अनुमति दी जाए (यदि कोई अतिरिक्त सावधानी बरती जाए तो) या उनके उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाए।

वर्ष 2013 में, कुल 66 कीटनाशकों के निरंतर उपयोग या अन्यथा अध्ययन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था, जो दो या अधिक देशों में प्रतिबंधित हैं, लेकिन भारत में उपयोग के लिए पंजीकृत हैं। इसकी सिफारिशों के आधार पर (समिति ने 9 दिसंबर, 2015 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की), सरकार ने वर्ष 2018 में 18 कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, इसने 27 कीटनाशकों के निरंतर उपयोग की अनुमति दी, जिनकी अनुशंसित अध्ययनों के पूरा होने के बाद समीक्षा की जाएगी।

14 मई को जारी एक राजपत्र अधिसूचना में, स्थ्र×स्नङ्ख ने इन 27 कीटनाशकों के निर्माण, उपयोग और भंडारण पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से एक मसौदा आदेश जारी किया और 45 दिनों में हितधारकों से टिप्पणियाँ या सुझाव मांगे।

अधिसूचना में कहा गया है: 66 कीटनाशक, जो अन्य देशों में प्रतिबंधित या प्रतिबंधित या वापस लिए गए हैं, लेकिन भारत में घरेलू उपयोग के लिए पंजीकृत हैं, की समीक्षा स्थ्र×स्नङ्ख द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की गई थी। मंत्रालय ने इस समिति की सिफारिशों पर विचार किया और माना कि 27 कीटनाशकों के उपयोग से मनुष्यों और जानवरों को खतरा होने की संभावना है, जिससे तत्काल कार्रवाई करना समीचीन या आवश्यक हो जाता है। प्रतिबंधित किए जाने वाले कीटनाशकों में 2,4-डी, एसीफेट, एट्राजीन, बेनफुराकार्ब, ब्यूटाक्लोर, कैप्टान, कार्बेन्डाजिन, कार्बोफ्यूरान, क्लोरपायरीफोस, डेल्टामेथ्रिन, डाइकोफोल, डाइमेथोएट, डाइनोकैप, डाययूरोन, मैलाथियान, मैन्कोजेब, मेथिमाइल, मोनोक्रोटोफोस, ऑक्सीफ्लोरोफेन, पेंडिमेथालिन, क्यूनिनलफोस, सल्फोसल्फ्यूरोन, थायोडिकार्ब, थायोफैंटे मिथाइल, थाइरम, ज़िनेब और ज़िरम शामिल हैं।

समिति ने उपरोक्त कुछ कीटनाशकों को अत्यधिक खतरनाक पाया है, जिनसे गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव होने की संभावना है। जैसे हार्मोनल परिवर्तन, तंत्रिका-विषाक्त प्रभाव, प्रजनन और विकासात्मक स्वास्थ्य प्रभाव, कार्सिनोजेनिक प्रभाव और साथ ही मधुमक्खियों के लिए विषाक्तता जैसे पर्यावरणीय प्रभाव। अन्य के लिए, नियामक उद्देश्य के लिए आवश्यक पर्याप्त डेटा उपलब्ध नहीं हैं। निर्णय पर पहुंचते समय, सरकार इस तथ्य से भी निर्देशित हुई है कि जिन सभी कीटनाशकों पर वह प्रतिबंध लगाना चाहती है, उनके लिए नए और सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। जेनेरिक उद्योग (नवाचार करने वाली फर्मों के अलावा अन्य निर्माताओं का वर्णन करने के लिए एक व्यंजना) ने प्रतिबंध पर नाराजगी जताई है, जिसका कहना है कि इससे घरेलू बिक्री ङ्क वर्तमान में लगभग 20,000 करोड़ रुपये ङ्क में लगभग 20 प्रतिशत की कमी आएगी। कीटनाशकों के निर्यात को भी मौजूदा 20,000 करोड़ रुपये पर लगभग 10 प्रतिशत का झटका लगेगा।

निर्माताओं का तर्क है कि किसान लंबे समय से इन रसायनों का उपयोग कर रहे हैं और उन्हें ये किफायती लगे हैं, जबकि विकल्प महंगे हैं और इससे खेती की लागत बढ़ेगी। उन्होंने निर्णय के समय पर भी सवाल उठाए हैं। उनका तर्क है कि किसानों को लगातार टिड्डियों के हमलों का सामना करना पड़ता है, खासकर हाल ही में, जिसने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में खेती को जकड़ लिया है। किसानों को मैलाथियान जैसे प्रासंगिक कीटनाशकों की तत्काल आवश्यकता है, जिनकी आपूर्ति प्रतिबंध से प्रभावित हो सकती है।

उद्योग द्वारा दिए गए तर्क अस्वीकार्य हैं। सबसे पहले, ऐसा नहीं है कि यह अचानक हुआ है। सरकार ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उनकी सुरक्षा की गहन जांच और मूल्यांकन के बाद ही यह निर्णय लिया है - यह प्रक्रिया सात वर्षों तक जारी रही।

इस प्रक्रिया में कीटनाशकों के निर्माताओं से परामर्श भी शामिल था। उन्हें विशेषज्ञ समिति के समक्ष अपना मामला प्रस्तुत करने का पूरा अवसर मिला, जिसमें कीटनाशकों की निरंतर सुरक्षा और प्रभावकारिता को प्रदर्शित करने के लिए अध्ययन प्रस्तुत करना भी शामिल था।

यदि उन्हें लगता है कि इन कीटनाशकों ने मनुष्यों, जानवरों या पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया है, तो वे अपने दावे को पुष्ट करने के लिए आवश्यक डेटा प्रस्तुत कर सकते थे। लेकिन ऐसा कभी नहीं किया गया।

अब, जिन 27 कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है, उनमें से 15 को कई वर्षों से डेटा की कमी के कारण देश में पंजीकृत कीटनाशक माना जाता है। यह दर्शाता है कि पहले दिन से ही, जिन फर्मों ने आवेदन किया और पंजीकरण प्राप्त किया, वे विनियामक को अपनी सुरक्षा और प्रभावकारिता को पुख्ता तौर पर प्रदर्शित नहीं कर सके (सौजन्य, डेटा में शून्यता)। ऐसा आज तक नहीं किया गया है, जिसके कारण अंततः केंद्र को उन पर प्रतिबंध लगाना पड़ा।

दूसरा, विभिन्न राज्यों में विकास (उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे ग्राउंड जीरो पर नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें) ने संकेत दिया कि प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही थी। 2011 में, केरल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के आधार पर मोनोक्रोटोफॉस, कार्बोफ्यूरान और एट्राजीन पर प्रतिबंध लगा दिया था। 2017 में, महाराष्ट्र ने कपास किसानों के बीच कीटनाशक विषाक्तता की उच्च घटनाओं के कारण मोनोक्रोटोहोस और एसीफेट पर प्रतिबंध लगा दिया। 2018 में, पंजाब ने मनुष्यों और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने का हवाला देते हुए 2,4-डी, बेनफ्यूराकार्ब, डाइकोफोल, मेथिमाइल और मोनोक्रोटोफॉस के लिए नए लाइसेंस को नहीं कहा। तीसरा, जब कीटनाशकों के बारे में निर्णय लेने की बात आती है जो खतरनाक हैं, तो नियामक केवल सुरक्षा और प्रभावकारिता के मानदंडों पर निर्भर करता है। यह यह भी देखता है कि क्या नए और सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं। निर्णय लागत जैसे किसी अन्य विचार से निर्देशित नहीं हो सकता। केवल इसलिए कि किसी मौजूदा उत्पाद की कीमत कम है, इसका मतलब यह नहीं है कि उसके निरंतर उपयोग को उचित ठहराया जा सकता है, भले ही वह असुरक्षित पाया जाए। उसी तर्क से, किसी नए और सुरक्षित उत्पाद को केवल इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता है - क्योंकि उसकी कीमत अधिक है। सुरक्षा से समझौता किए बिना, भले ही उपयोग के अर्थशास्त्र पर विचार किया जाए, हमें समान आधार पर तुलना करने की आवश्यकता है। यहाँ, केवल कीमत पर ही नहीं बल्कि खुराक पर भी ध्यान देना चाहिए; इसके अलावा, फसल की उपज और फसल की गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी विचार करना चाहिए।

नए साल में एआई से कितना बदलेगा हमारा जीवन

पिछले दिनों ओपनएआई और गूगल के बीच एक मुकाबला हुआ, जिसमें गूगल ने 12 दिनों की नवाचार चुनौती रखी और फिर अपने जेमिनी 2 एआई मॉडल के साथ मैदान में डट गई। मैं इन प्रतिस्पर्द्धाओं से आगे 2025 और उसके बाद के चार एआई रुझानों की चर्चा करना चाहूंगा, जो बताते हैं कि कैसे मनुष्य और एआई जीवन, काम व रिश्तों के संदर्भ में एक-दूसरे के करीब आएंगे ? पहला रुझान, अब कोडिंग नई अंग्रेजी है जब हमारी पीढ़ी बड़ी हो रही थी, तब हमें बताया गया कि अंग्रेजी सीखना सफलता का पासपोर्ट है। हमने ऐसा ही किया और अपने करियर व व्यवसाय में सफल रहे। बदले में हमने अपने बच्चों को यही बताया कि कोडिंग सीखना सफलता का पासपोर्ट है। इस प्रकार कोडिंग नई अंग्रेजी बन गई। इसी कारण 10 साल के बच्चे को भी पाइथन और जावा स्क्रिप्ट सीखने के लिए कोड कैंपों में घसीटा जाने लगा। जेनरेटिव एआई के आगमन के साथ तस्वीर बदल गई। अब हर बार जब हम चैटजीपीटी या इस जैसी किसी भी चीज से कोई संवाद करते हैं, तो वास्तव में हम कोडिंग कर रहे होते हैं, यानी अपने कुछ काम के लिए उसे निर्देश दे रहे होते हैं, चाहे वह वीडियो बनाना या लेखन ही क्यों न हो। हम इससे मशीनी भाषा के बजाय अपनी कुदरती मानवीय भाषा में बात करने लगे हैं। यह बहुत बड़ा बदलाव है, क्योंकि इसमें कोडिंग को लोकतांत्रिक बनाने व आठ अरब लोगों को कोड करने की क्षमता है। शायद इसीलिए माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला कहते हैं कि मशीन की भाषा सीखने के बजाय, अब मशीनों को हमारी भाषा सीखनी होगी। एनवीडिया के जेंसन हुआंग भी इससे सहमत हैं और कहते हैं कि एआई की असली क्षमता यह है कि हममें से किसी को भी कोडिंग सीखने की जरूरत नहीं होगी। इस प्रकार, अब अंग्रेजी या कोई भी अन्य प्राकृतिक भाषा नई कोडिंग भाषा बन जाती है।

दूसरा रुझान, एआई नई यूआई है, यानी एआई नई यूजर इंटरफेस बन जाएगी। बिल गेट्स ने नवंबर 2023 में भविष्यवाणी की थी आपको अलग-अलग काम के लिए अलग-अलग एप इस्तेमाल नहीं करने पड़ेंगे। आप अपनी डिवाइस को रोजमर्रा की भाषा में बता देंगे कि आप क्या करना चाहते हैं।

दरअसल, यूआई वह माध्यम है, जिससे इंसान और मशीनें एक-दूसरे से संवाद करते हैं। सरल यूआई की वजह से मशीन के साथ ज्यादा तेज, सहज और उत्पादक रिश्ता बनाना संभव हुआ है। एआई के आने से यूआई हमारी आवाज से संचालित होगी, ठीक वैसे ही, जैसे हम किसी दूसरे इंसान से संवाद करते हैं। हम अपने रोजाना के कामों के लिए चैटजीपीटी या जेमिनी से बात करेंगे। हमारे उपकरण बदल जाएंगे, जिसमें बड़ी स्क्रीन की जगह आवाज प्रमुख हो जाएगी।

तीसरा रुझान, एआई और ईसान नए निर्माता हैं। जेनरेटिव एआई ऐसी तकनीक है, जो कला, कविता, लेखन जैसे रचनात्मक काम कर सकती है। इससे इंसानों की नौकरी पर संकट बढ़ गया, क्योंकि रचनात्मकता को एक विशिष्ट मानवीय कौशल माना जाता था। हालांकि, मेरा मानना है, कि जेनरेटिव एआई इंसानों में रचनात्मकता बढ़ाने का ही काम करेगी। जैसे, पिछले हफ्ते जारी किए गए ओपेनएआई के सोरा को ही लें। जब सैम ऑल्टमैन ने एक साल पहले एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इसका जिक्र करते हुए लोगों से किस तरह के क्रिएटिव वीडियो बनाने का सुझाव मांगा, तो भारतीय उद्यमी कुणाल शाह ने %समुद्र में साइकिल रेस की कल्पना की, जिसमें साइकिल चलाते हुए अलग- अलग जानवर दिखाई देने की संकल्पना थी। सोरा ने उसका शानदार वीडियो बनाया। जाहिर है, यह सोरा नहीं, बल्कि कुणाल की रचनात्मकता थी। साफ है, मनुष्य व एआई मिलकर रचनात्मकता के नए युग का सृजन न करेंगे। चौथा रुझान, एआई नया ग्राहक बनाती है। औद्योगिक क्रांति अपने साथ लेन-देन करने वाले औद्योगिक ग्राहक लेकर आई, जो शायद ही कभी तकनीक का इस्तेमाल करते थे, जबकि इंटरनेट ने डिजिटल संचालित ग्राहक तैयार किए। एआई के इस युग में एक नए तरह का ग्राहक उभरेगा, जो नितांत निजता के युग में जिएगा और एआई उसकी जरूरतों व ब्रांड संबंध का अनुमान एक सहयोगी के तौर पर बिना किसी भावना में बहे हुए लगाएगा। इसका मतलब यह है कि कारोबार और मार्केटिंग में बड़ा बदलाव आएगा। जाहिर है, यह सब हमारी जीवनशैली पर काफी असंरदाज होने वाला है।

23 मीटर की ऊंचाई पर लटका 400 टन का लोहा, इंदौर के चौराहे पर दिखा इंजीनियरिंग का अजूबा

इंदौर। इंदौर के लवकुश चौराहे पर बन रहे डबल डेकर फ्लाईओवर के निर्माण में एक अहम उपलब्धि हासिल की गई है। यहां शहर की सबसे लंबी 65 मीटर की स्टील गर्डर को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। करीब 400 टन वजनी इस विशाल गर्डर को जमीन से 23 मीटर ऊंचाई पर लगाने की जटिल प्रक्रिया करीब 12 घंटे तक चली। इस गर्डर के जुड़ने से शहर में यातायात को आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। लवकुश चौराहे पर बो स्ट्रिंग स्पान के निर्माण के दौरान इस भारी गर्डर को हवा में ही जोड़ा गया। इसे सही जगह तक लाने के लिए तीन विंच मशीनों का इस्तेमाल किया गया। इनमें से दो मशीनों से गर्डर को आगे की ओर खींचा गया, जबकि एक मशीन को पीछे से संतुलन बनाए रखने और रोकने के लिए लगाया गया था। अब जैक पुश तकनीक के जरिए इसे दूसरी तरफ के बो स्ट्रिंग स्पान पर ले जाने की तैयारी की जा रही है। पहली गर्डर का काम पूरा होने के बाद अब दूसरी स्टील गर्डर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा लवकुश चौराहे पर कुल 1452 मीटर लंबा डबल डेकर फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। इस परियोजना में 19 सेगमेंटल स्पान, 4 कंपोजिट गर्डर स्पान और एक खास बो स्ट्रिंग स्पान शामिल है। जिस बो स्ट्रिंग स्पान पर यह गर्डर रखी गई है, उसकी लंबाई 65 मीटर है और यहां ऐसी दो स्टील गर्डर लगाई जानी हैं। पहली गर्डर का निर्माण कार्य पूरा कर उसे तय स्थान पर स्थापित कर दिया गया है।गर्डर को स्थापित करने की प्रक्रिया गुरुवार रात 11 बजे शुरू हुई, जो शुक्रवार सुबह 11 बजे पूरी हुई। गर्डर को खींचकर सही जगह तक लाने में ही करीब 5 घंटे लगे। पुलिंग शुरू करने से पहले गर्डर को रीले पर चढ़ाया गया और उसके संतुलन की पूरी जांच की गई। सुरक्षा के लिहाज से इस दौरान नीचे से गुजरने वाले यातायात को पूरी तरह बंद कर दिया गया, ताकि कोई हादसा न हो।

शहर का सबसे ऊंचा फ्लाईओवर पॉइंट बना आकर्षण- यह 400 टन वजनी गर्डर जिस बो स्ट्रिंग पर रखी गई है, उसकी ऊंचाई 23 मीटर है, जो इंदौर के सभी फ्लाईओवर में सबसे ज्यादा है। इस फ्लाईओवर की खास बात यह है कि इसके नीचे से मेट्रो और एक अन्य फ्लाईओवर गुजर रहा है। इसी वजह से गर्डर को ऊंचाई पर ही जोड़ना पड़ा। इस जटिल काम के लिए 900 टन की कुल क्षमता वाली दो क्रेन का इस्तेमाल किया गया, जिसमें एक 600 टन और दूसरी 300 टन की क्रेन शामिल थी। इन्हीं क्रेन की मदद से भारी एंगल और निर्माण सामग्री को 23 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचाया गया।

मिडिल ईस्ट युद्ध का असर विद्यार्थियों के भविष्य पर, प्लेसमेंट में नहीं आई यूएई की कंपनियां

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच तनाव से अब सीधेतौर पर विद्यार्थियों के करियर पर असर पड़ने लगा है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) में इस साल का प्लेसमेंट सीजन विद्यार्थियों के लिए पहले जैसा नहीं है। जहां हर साल विदेशी कंपनियों की लंबी कतारें विश्वविद्यालय के कैंपस में देखने को मिलती थीं।

वहीं, इस बार कई बड़ी कंपनियों ने प्लेसमेंट गतिविधियों से दूरियां बना ली हैं। सबसे ज्यादा असर यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) की कंपनियों के रुख में बदलाव से देखने को मिला है। विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल के मुताबिक कई बार संपर्क करने के बावजूद यूएई की कंपनियों ने इस साल भर्ती में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। अप्रैल में भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ, जिससे विश्वविद्यालय प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। अक्सर यह देखा जाता है कि अप्रैल के शुरुआती सप्ताह में विश्वविद्यालय के प्रमुख विभागों के विद्यार्थियों को नौकरियां मिल जाती हैं, लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी विपरीत है। 2025-26 सत्र में 1300 छात्र-छात्राओं ने प्लेसमेंट को लेकर पंजीयन करवाया है। प्लेसमेंट सेल के मुताबिक आईएमएस, आईआईपीएस, आईईटी, कॉमर्स, इकानोमिक्स, ईएमआरसी के 70-80 फीसद विद्यार्थियों को नौकरियां लग पाई हैं।

युद्ध के चलते वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता है। इसे प्लेसमेंट थोड़े घट गए हैं। सेल सदस्यों का कहना है कि युद्ध से तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे महंगाई बढ़ी है और सप्लाई चेन पर भी असर पड़ा है। इन सेक्टर में काम करने वाली यूएई की कंपनियों ने भर्तियों पर रोक लगाई है। यहां तक कि स्टाफ कम करने में लगी हैं। इसका सीधा असर कैंपस प्लेसमेंट पर पड़ रहा है।

कंपनियों ने विस्तार रोका- मिडिल ईस्ट पर निर्भर मल्टीनेशनल कंपनियां भी सतर्क हो गई हैं। उन्होंने अपने विस्तार और भर्ती योजनाओं को धीमा कर दिया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वृहद मेगा शिविर आयोजित, 750 से अधिक नागरिकों को किया गया शासन की योजनाओं से लाभान्वित

सीहोर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सीहोर के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान में मेगा लीगल आउटरीच एवं जागरूकता शिविर ÷संवेदना÷ आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कलेक्टर श्री बालागुरू के. और एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला सहित न्यायाधीशगण शामिल हुए।

इस मेगा शिविर की मुख्य थीम मानसिक स्वास्थ्य एवं दिव्यांगजनों के अधिकार रखी गई, जिसमें जिले सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए और 750 से अधिक नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी प्रदान किए गए। प्रधान जिला न्यायाधीश ने विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया और विभिन्न योजनाओं हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, टीएलएम किट, ब्रेल किट आदि प्रदान किए। मेगा शिविर में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में 15 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया, जिसमें प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अग्रवाल एवं न्यायाधीश श्री दीपेन्द्र मालू ने भी रक्तदान किया। इस दौरान टीबी स्क्रीनिंग एवं एक्स-रे के माध्यम से 51 लोगो का बी.पी. शुगर चेक किया गया और 350 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने दिव्यांगजनों के अधिकार, विधिक प्रावधान, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 में विधिक सेवा संस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यह संदेश दिया कि हम सभी संवेदनशील बने एवं दिव्यांगजनों के साथ हर जरूरतमंद की सहायता के लिए तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सभी विभागों को एक मंच पर लाकर आमजन को लाभान्वित करने का एक सशक्त माध्यम हैं। प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मंडलोई द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम एवं मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं आयोजन के उ?द्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये बताया गया कि इस कार्यक्रम का नाम संवेदना रखा गया क्योंकि इसका प्राथमिक उद्देश्य आमजन के मध्य संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर एनआईएमएचआर के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई।

मेगा शिविर के शुभारंभ अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्री अग्रवाल, कलेक्टर श्री बालागुरू के., एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ल, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय वैभव मंडलोई, विशेष न्यायाधीश श्री हेमंत जोशी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष श्री अनिल पारे निदेशक श्री अखिलेश कुमार शुक्ला द्वारा हस्ताक्षर पट्टिका पर हस्ताक्षर किए गए और पंच ज योजना के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया।

थाने में गिड़गिड़ाने लगा महिला इंजीनियर की जान लेने वाला युवक, सोशल मीडिया पर देता था धमकियां

इंदौर। इंदौर के निपानिया क्षेत्र स्थित शिव वाटिका में सागर समृद्धि बिल्डिंग की निवासी महिला इंजीनियर शंपा पाठक पांडे की हत्या के मामले में लसूड़िया पुलिस ने आरोपियों को दो दिन की रिमांड पर लिया है। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। आरोपियों को अब रविवार को पुनः कोर्ट में पेश किया जाएगा। लसूड़िया थाने की हिरासत में मौजूद आरोपी मोहनीश उर्फ मोहित अब अपने किए पर पछतावा जाहिर कर रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लॉकअप में बंद मोहनीश बार-बार रो रहा है और पुलिस अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाते हुए कह रहा है कि उससे बड़ी गलती हो गई है। टीआई तारेश सोनी ने बताया कि रिमांड के दौरान पुलिस आरोपियों से घटना के संबंध में बारीकी से पूछताछ करेगी और चश्मदीदों के माध्यम से उनकी शिनाख्त भी करवाई जाएगी।

जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी मोहनीश बेहद जिद्दी और बिगड़ैल स्वभाव का है। वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जाट एक्स के नाम से आईडी चलाता था। इस आईडी पर वह अक्सर तेज रफ्तार ड्राइविंग और लोगों को धमकाने वाले वीडियो (रील्स) पोस्ट किया करता था। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी के पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं है, इसके बावजूद वह बेखौफ होकर गाड़ियां दौड़ता था।

थाना प्रभारी तारेश सोनी ने बताया कि आरोपी मोहनीश और उसके पिता कुलदीप चौधरी से अभी कई बिंदुओं पर पूछताछ होनी है। पुलिस इस मामले में पुख्ता साक्ष्य जुटा रही है। फिलहाल बिल्डिंग के चौकीदार की पत्नी रेणुका और कुछ अन्य प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। मृतका शंपा के पति सौरभ और परिवार के अन्य सदस्यों के बयान दर्ज होना अभी बाकी हैं। पुलिस का लक्ष्य है कि पिता-पुत्र के विरुद्ध इतना ठोस केस तैयार किया जाए कि उन्हें भविष्य में कोई कानूनी राहत न मिल सके।

घटनाक्रम के दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि जब आरोपी और उसके पिता का विवाद चल रहा था, तब मोहित ने अपने कई दोस्तों को फोन कर मौके पर पहुंचने के लिए कहा था। वह चाहता था कि उसके दोस्त आकर विवाद में उसका साथ दें, लेकिन गनीमत रही कि उस समय कोई भी उसकी मदद के लिए वहां नहीं पहुंचा।

आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस पर कार्रवाई करने वाले टीआई सस्पेंड

इंदौर। मानपुर में आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस जुआकांड अब एक नया मोड़ आ गया है। यह मामला पुलिस कार्रवाई के दायरे से बाहर निकलकर अब सीधे मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की चौखट पर पहुंच गया है। आईएएस वंदना वैद्य के फार्महाउस पर जुआ पकड़े जाने के मामले में निलंबित किए गए थाना प्रभारी (टीआई) लोकेंद्र सिंह हिहोरे ने अदालत में याचिका दायर की है। टीआई का दावा है कि उन्हें नियम सम्मत कार्रवाई करने की सजा दी गई है। उन्होंने अपनी याचिका में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि उन पर एफआईआर में घटना स्थल का नाम बदलने और सही नाम बदलने के साथ वास्तविक तथ्यों को छिपाने के लिए भारी दबाव बनाया गया था, जिसे मानने से इनकार करने पर उन्हें सस्पेंड कर दिया गया।

गुरुवार को इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में हुई, जहां शासन की ओर से जवाब पेश किया गया। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रमुख सचिव गृह विभाग, डीजीपी, आईजी ग्रामीण, एसपी ग्रामीण, अतिरिक्त एसपी और एसडीओपी को पक्षकार बनाया है और उनसे इस पूरे घटनाक्रम पर जवाब तलब किया है। याचिकाकर्ता टीआई हिहोरे ने आरोप लगाया है कि उनके विरुद्ध की गई निलंबन की कार्रवाई पूरी तरह से वरिष्ठ अधिकारियों के प्रभाव में आकर की गई है और यह प्रशासनिक शक्तियों के खुले दुरुपयोग का उदाहरण है।

अब इस कानूनी लड़ाई की अगली सुनवाई 1 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

याचिका में टीआई ने विस्तार से बताया है कि उन पर लगातार यह दबाव डाला जा रहा था कि वे एफआईआर से फार्महाउस का नाम हटा दें और जुआ पकड़े जाने का स्थान बदल दें। जब उन्होंने कानून के दायरे में रहकर सही तथ्य दर्ज किए, तो उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई। टीआई ने यह भी सवाल उठाया कि जांच का जिम्मा ऐसे अधिकारी को सौंपा गया है जो सीधे उन वरिष्ठों के अधीन हैं जिन्होंने मुझ पर यह कार्रवाई की है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एएसआई रेशम गिरवाल के निलंबन पर भी हैरानी जताई, जो घटना के समय बीमारी की छुट्टी पर थीं और ड्यूटी पर मौजूद ही नहीं थीं।

टीआई अनजान थे आईएएस के फार्महाउस से- लोकेंद्र सिंह हिहोरे ने अपनी याचिका में यह साफ किया है कि जब उन्होंने मानपुर स्थित फार्महाउस पर दबिश दी थी, तब उन्हें इस बात की जरा भी जानकारी नहीं थी कि यह संपत्ति आईएएस वंदना वैद्य की है। जैसे ही यह तथ्य उजागर हुआ, उनके पास फोन कॉल्स और संदेशों के जरिए दबाव बनाने का सिलसिला शुरू हो गया। गौरतलब है कि 10 और 11 मार्च की दरमियानी रात हुई इस कार्रवाई के बाद एसपी यांगचेन डोलकर भाटिया ने टीआई सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। अब 1 अप्रैल की सुनवाई इस जुआकांड में बेहद निर्णायक मानी जा रही है क्योंकि पहली बार किसी अधिकारी ने विभाग के भीतर के दबाव को सार्वजनिक किया है।

इस पूरे कानूनी घटनाक्रम पर टीआई लोकेंद्र सिंह हिहोरे की वकील मिनी रवीन्द्रन ने संक्षिप्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि प्रकरण वर्तमान में माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है और इसकी अगली सुनवाई 1 अप्रैल को होनी है। अधिवक्ता ने स्पष्ट किया कि मामला कोर्ट में होने के कारण सुनवाई से पहले किसी भी प्रकार की विस्तृत टिप्पणी या गोपनीय जानकारी साझा करना उचित नहीं होगा। सभी पक्ष अब कोर्ट में ही अपने तर्क प्रस्तुत करेंगे।

इंदौर में एक ही चेहरे पर खरीदे 84 सिमकार्ड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से पीओएस एजेंट को पकड़ा

इंदौर। फर्जी तरीके से सिमकार्ड एक्टिवेट करने का फर्जीवाड़ा सामने आया है। क्राइम ब्रांच ने प्वाइंट आफ सेल (पीओएस) एजेंट को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी ऑपरेशन फेस के तहत हुई। पुलिस को डिपार्टमेंट आफ टेलीकम्युनिकेशन (डीओटी) के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स से जानकारी मिली थी। एजेंट एक ही चेहरे पर 84 से ज्यादा सिमकार्ड इशू कर एक्टिवेट करवा चुका था। क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को पटेल वार्ड बैतूल निवासी विपिन मगरदे के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया। डीओटी ने एआई आधारित फेस रिकाग्नाइज टूल्स (एएसटीआर) से जांच करवाई और राज्य साइबर सेल को बताया कि एक ही चेहरे (यूनिक फेस) पर 50 से अधिक सिमकार्ड नाम-पता बदल कर एक्टिवेट करवाए गए हैं। 2018 से 2021 तक पीओएस एजेंट था- आरोपी विपिन की जांच की तो एआई ने 84 सिमकार्ड इशू करवाने की पुष्टि कर दी। इसमें वीआइ की 37, एयरटेल की 46 और बीएसएनएल का एक सिमकार्ड था। गुरुवार को विपिन को पूछताछ के लिए बुलाकर गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया कि वह साल 2018 से 2021 तक पीओएस एजेंट था।

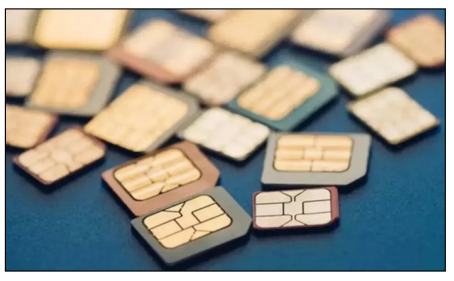

उसने तीन सिमकार्ड अपना कम्यूनिकेशन, 31 सिमकार्ड गौरी मोबाइल, एक सिमकार्ड नेहा टेलीकाम, सात सिमकार्ड राजा टेलिकाम, दो सिमकार्ड साहू टेलीकाम को बेची हैं। पुलिस ने कंपनी से ग्राहक की जानकारी मांगी तो बताया कि सभी सिमकार्ड विपिन द्वारा सत्यापित कर जारी करवाए गए थे।

पुलिस के अनुसार विपिन टारगेट पूरा करने के लिए बार-बार अपने नाम से सिमकार्ड जारी करवा लेता था। उसने बहन प्रज्ञा और दोस्त लोकेश को भी सब एजेंट बना दिया था। पुलिस उससे सिमकार्ड जब्त करने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को आरोपी को कोर्ट पेश कर तीन

मेगा आउटरीट एवं विधिक जागरूकता शिविर संपन्न

जबलपुर। प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं कार्यपालक अध्यक्ष म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर माननीय न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया की गरिमामय उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में नालसा के विधिक सेवा कैम्प माड्यूल के अनुसार मेगा आउटरीट एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन मानस भवन में आयोजित हुआ। इस दौरान माननीय न्यायामूर्ति श्री विवेक रूसिया, माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर श्री कृष्णमूर्ति मिश्र, माननीय सदस्य सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री सुमन श्रीवास्तव, जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह, कमिश्नर नगर निगम श्री आर. पी. अहिरवार, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री मनीष मिश्रा, न्यायिक अधिकारीगण, मध्यस्थगण शासन प्रशासन के अधिकारीगण, विधि एवं शिक्षा जगत के फैकल्टी एवं छात्र तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया से सदस्यगण एवं लाभार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुआ। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् अतिथियों ने उपस्थित लाभार्थियों को संबोधित किया। मुख्य अतिथि माननीय प्रशासनिक न्यायाधिपति एवं कार्यपालक अध्यक्ष ने शिविर की उपादेयता पर पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मीडिएशन की विधा विशेष रूप से कम्यूनिटी मीडिएशन द्वारा विवादों के प्राथमिक स्तर पर ही समाप्त हो जाने से स्वस्थ्य एवं विवाद रहित समाज के निर्माण में प्रगति हो रही है। इन्दौर में कम्यूनिटी मीडिएशन द्वारा विवादों के समाधान का तथा हाल ही में नगर निगम के सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारीगण के कम्यूनिटी मीडिएशन प्रशिक्षण का जिक्र करते हुए उन्होंने कम्यूनिटी मीडिएशन के संबंध में प्रकाश डाला तथा विधिक सेवा संस्थानों के मूल उद्देश्यों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को न्याय प्राप्त हो तथा शासन प्रशासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर लोग जीवन में उन्नति प्रगति कर सके यही इन विधिक सेवा संस्थानों का मूल कार्य है। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कृष्णमूर्ति मिश्र ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उसके महत्व पर संबोधित करते हुए कहा कि विधिक सेवा संस्थानों का कार्य केवल विधिक सेवा एवं सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, शासन के विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित कर लोगों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना तथा तालुका स्तर से सर्वोच्च न्यायलय तक सभी की न्याय तक पहुंच सुलभ एवं सुनिश्चित करना भी विधिक संस्थानों के कार्य में सम्मिलित है। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव मैडम सुमन श्रीवास्तव ने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से विधिक सेवा के कार्य को बताया तथा सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विधिक जागरूकता एवं सहायता द्वारा समाज में लोगों को विशेष रूप से शोषित, वंचित एवं कानूनी ज्ञान से अनभिज्ञ लोगो कैसे सशक्त बनाया जा सकता है।

ममता की छांव और उम्मीद की नई किरण : श्रीमती अनामिका जैन के सेवा संकल्प की अनकही दास्तान

भोपाल। समाज में अक्सर जिन्हें हम विक्षिप्त कहकर अनदेखा कर देते हैं, उनके पीछे छिपी पीड़ा और खोई हुई पहचान को वापस लौटाने का बीड़ा मंदसौर की एक बेटी ने उठाया है। संजीत (मंदसौर) की रहने वाली श्रीमती अनामिका जैन आज उन बेसहारा महिलाओं के लिए मसीहा बन चुकी हैं, जिनका अपना कोई ठिकाना नहीं था।

एक छोटे से विचार से शुरू हुआ बदलाव का सफर- अनामिका जी का सेवा का सफर 17-18 साल पहले उनके पिता के साथ शुरू हुआ था। मास्टर ऑफ सोशल वर्क की पढ़ाई कर चुकीं अनामिका ने जब समाज के सबसे उपेक्षित तबके—निराश्रित और विक्षिप्त महिलाओं—की स्थिति देखी, तो उनका मन पसीज गया।

शुरुआत में वे सात वर्षों तक इन महिलाओं की देखरेख कर उन्हें इंदौर या उज्जैन के अनाथालयों में भेजती थीं। लेकिन कई बार जगह की कमी के कारण जब उन्हें वहां से वापस लौटा दिया जाता, तो वह बेबसी अनामिका जी को सोने नहीं देती थी। इसी पीड़ा ने अनामिका जनकल्याण सेवा समिति विक्षिप्त आश्रय गृह की नींव रखी।

रेवास देवड़ा रोड पर बना अपना घर- वर्ष 2018 में प्रशासन के सहयोग से उन्होंने एक शासकीय भवन (500 क्वार्टर, रेवास देवड़ा रोड) में इस आश्रय गृह की स्थापना की। यह मध्य प्रदेश का ऐसा पहला आश्रम बना, जो न केवल महिलाओं को छत देता है, बल्कि उनके पुनर्वास पर केंद्रित है।इन महिलाओं को दवा से ज्यादा एक परिवार और प्यार की जरूरत होती है, अनामिका जी कहती हैं। उनके आश्रम में त्यौहार केवल रस्म नहीं, बल्कि खुशियों का संगम होते हैं, जहाँ इन महिलाओं को पूरी तरह पारिवारिक माहौल दिया जाता है।

तकनीक और ममता का मेल- गूगल से मिलाते हैं बिछड़े परिवार - अनामिका जी का कार्य केवल आश्रय देने तक सीमित नहीं है। पुलिस विभाग द्वारा लाई गई महिलाओं का वे इलाज करवाती हैं और उनकी याददाश्त वापस लाने के लिए खेल-खेल में गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

सफलता का आँकड़ा- अब तक 54 महिलाओं को ठीक कर उनके अपनों से मिलवाया जा चुका है।

डिजिटल मदद- गूगल मैप्स और ऑनलाइन माध्यमों से वे उन महिलाओं के पते ढूंढती हैं जो वर्षों से अपने घर का रास्ता भूल चुकी थीं।

चुनौतियों को बनाया ताकत- मिला रानी अवंती बाई राज्य स्तरीय पुरस्कार- इस कठिन मार्ग में अनामिका जी को अपने पति का भी भरपूर सहयोग मिला। उनके कार्यों की गूंज शासन तक भी पहुंची। महिला उत्पीड़न को रोकने, बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ लड़ने और वंचितों के पुनर्वास के लिए उन्हें राज्य सरकार द्वारा रानी अवंती बाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

भविष्य का सपना- आत्मनिर्भरता का केंद्र- अनामिका जैन केवल आश्रय ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सपना देखती हैं। वे कुष्ठ बस्ती और गाडोलिया बस्ती में स्कूल चलाने, महिलाओं की शराब छुड़वाने और विधवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने का कार्य भी कर रही हैं। उनका लक्ष्य एक ऐसा विशाल पुनर्वास केंद्र बनाना है, जहाँ हर महिला को शिक्षा और रोजगार मिल सके।÷महिलाओं की संवेदनशीलता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। अगर हम एक-दूसरे का हाथ थाम लें, तो कोई भी समाज असहाय नहीं रहेगा।

क्या वाकई फायदेमंद है सुबह खाली पेट ग्रीन टी पीना? जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रीन टी एक हेल्दी ड्रिंक है जिसे पीने पर शरीर में मेटाबॉलिज्म बढ़ जाता है और फिर वेट लॉस में मदद मिलती है। इसी के साथ ये दिल की हेल्थ के लिए अच्छी होती है और शरीर के तापमान को मेंटेन करने में मदद करती है। लेकिन जब आप इसे गलत समय पर पीते हैं तो ये नुकसानदायक साबित हो सकती है। कुछ लोग मानते हैं कि सुबह खाली पेट इसे पीने पर फायदा होता है, जबकि ऐसा नहीं है। यहां जानिए क्या है पीने का सही समय और तरीका-

क्या वाकई फायदेमंद है खाली पेट ग्रीन टी?

हेल्थ के लिए ग्रीन टी के आपने कई फायदों को पढ़ा होगा। हालांकि इसे सुबह खाली पेट पीना आपकी हेल्थ के लिए नुकसानदायक हो सकता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो सुबह खाली पेट ग्रीन टी पीने से ये आपके पेट के बैलेंस को खराब कर सकता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सिडेंट की अच्छी मात्रा होती है, इसी के साथ इसमें पॉलिफेनोल्स होते हैं जो पेट में एसिड के प्रोडक्शन में मदद करते हैं। जो पेट में पाचन संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है। जिससे आपको पेट में भारीपन या फिर गैस हो सकती है।

हो सकती है कब्ज

खाली पेट ग्रीन टी पीने पर आपको कई इफेक्ट दिखाई दे सकते हैं। इसमें टैनिन की अच्छी मात्रा होती है जो एसिड को बढ़ा सकती है। जिसकी वजह से उल्टी का मन होता है। पेट में ज्यादा एसिड आगे चलकर कब्ज की समस्या बन जाता है।

क्या है इसे पीने का सही तरीका?

अगर आप सुबह खाली पेट ग्रीन टी पीना चाहते हैं तो आपको अपने तरीके में बदलाव करना होगा। जैसे ग्रीन टी के साथ कुछ बिस्कुट या स्नैक्स लें। इसी के साथ इसे पीने के सही समय की बात करें तो ये मील्स के बीच में या फिर खाने से पहले इसे पीना सबसे अच्छा है।

एक दिन में कितनी ग्रीन टी?

एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर आप पूरे दिन में एक या दो कप ग्रीन टी पी रहे हैं तो ये सही मात्रा है। इसे बहुत ज्यादा पीने से बचना चाहिए। ऐसा करने पर लिवर डैमज होने की शिकायत हो सकती है।

खाने के तुरंत बाद पीना सही?

कुछ लोग खाने के तुरंत बाद ग्रीन टी पीते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा करने पर उन्हें वजन घटाने में मदद मिलेगी। हालांकि ऐसा नहीं है। रिपोर्ट्स की मानें तो खाने के तुरंत बाद इसे पीने से गैस्ट्रिक जूस बढ़ सकता है, जिससे एसिडिटी और पेट में भारीपन जैसी परेशानी हो सकती हैं। इसलिए हमेशा खाने के आधा-एक घंटे बाद ही इसे पीएं।

भारत के फुटबॉल खिलाड़ियों और कोच का किया गया अपमान, स्टेडियम से दिखाया गया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में गुरुवार को भारतीय फुटबॉल के लिए एक शर्मनाक घटना घटी। यहां भरतीय फुटबॉल टीम के कुछ खिलाड़ी और कोच खालिद जामिल को मैदान में प्रवेश से रोक दिया गया। इसके बाद इन्हें स्टेडियम परिसर से ही बाहर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि केरल फुटबॉल एसोसिएशन और स्टेडियम अधिकारियों के बीच भुगतान विवाद के चलते यह शर्मनाक विवाद पैदा हुआ।

खिलाड़ी और कोच एएफसी एशियन कप क्वालिफायर में हांगकांग के विरुद्ध मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस के लिए मैदान में जा रहे थे, जिसे इस विवाद के बाद रद कर दिया गया। इंटरनेट मीडिया पर टिप्पणी करते हुए कई फुटबाल प्रशंसकों ने इस घटना को %राष्ट्रीय अपमान% तक करार दिया है। कई लोग इस प्रकरण को भारतीय फुटबाल के लिए गिरता हुआ स्तर, नया पतन कह रहे हैं।

इनमें सबसे मजबूत प्रतिक्रियाएं मुख्य रूप से केरल के प्रशंसकों की ओर से ही आई हैं, जिन्हें परंपरागत रूप से देश में सबसे उग्र फुटबॉल प्रेमियों में माना जाता है। रिपोर्टों के अनुसार, ग्रेटर कोचीन डेवलपमेंट अथारिटी (जीसीडीए) ने स्टेडियम को फिर से सुविधाजनक बनने के लिए केरल फुटबॉल एसोसिएशन से किराए के रूप में 20-25 लाख रुपये की सुरक्षा जमा और अतिरिक्त तीन लाख रुपये की मांग की थी।

एसोसिएशन ने इसके लिए अधिक समय मांगा था, लेकिन गुरुवार को अधिकारियों ने पूरे भुगतान के बिना खिलाड़ियों और कोच को प्रवेश से रोक दिया। अखिल भारतीय फुटबॉल फेडरेशन ने इस घटना पर बयान जारी करते हुए कहा है कि भारत के हांगकांग और चीन से कोच्चि में होने वाले एशियाई कप 2027 क्वालीफायर्स फाइनल राउंड मैच निर्धारित समयानुसार ही होंगे। हम जेएलएन स्टेडियम के प्रबंधों के संबंध में केरल फुटबॉल एसोसिएशन के साथ लगातार समन्वय में हैं। हमें पूरा विश्वास है कि औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी।

मैदान पर उतरते ही ईशान किशन के नाम होगा बड़ा रिकॉर्ड, कोई भारतीय नहीं कर पाया ये काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल-2026 की शुरुआत आज से हो रही है। सीजन के पहले मैच में मौजूदा विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इस मैच में हैदराबाद की कप्तानी युवा बल्लेबाज ईशान किशन करेंगे क्योंकि पैट कमिंस चोट के कारण कुछ मैचों से बाहर हैं। किशन जैसी ही मैदान पर उतरेंगे वैसे ही अपने नाम एक रिकॉर्ड कर लेंगे।

कमिंस को पीठ में चोट है जिसके कारण वह शुरुआती कुछ मैचों से बाहर हो सकते हैं। हालांकि, वह टीम के साथ हैं और सफर कर रहे हैं। ईशान ने अपनी कप्तानी में झारखंड को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जिताई थी।

इस मैच में कप्तानी करने के साथ ही ईशान अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड कर लेंगे। वह हैदराबाद के लिए आईपीएल में कप्तानी करने वाले सबसे युवा कप्तान होंगे। ईशान इस समय 27 साल 253 दिनों के हैं। वहीं वह ओवरऑल फ्रेंचाइजी के दूसरे सबसे युवा कप्तान होंगे। इस मामले में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन पहले नंबर पर है जिन्होंने साल 2018 में 27 साल 244 दिनों के थे। ईशान से पहले शिखर धवन, मनीष पांडे और भुवनेश्वर कुमार वो भारतीय हैं जो आईपीएल में हैदराबाद की कप्तानी कर चुके हैं। ईशान किशन उस भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप-2026 का खिताब अपने नाम किया था।

बाजरा या मक्का की रोटी फट जाती है तो अपनाएं ये टिप्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। अच्छी सेहत के लिए आजकल लोग गेंहू की रोटी को छोड़कर बाजरा, मक्का या फिर मल्टीग्रेन रोटी को खाना पसंद करते हैं। ये रोटियां सेहत के लिहाज से बहुत फायदेमंद रहती हैं। डायबिटीज से लेकर हाई कोलेस्ट्रॉल और वजन कम करने के लिए लोग इसे डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि मल्टीग्रेन आटा हो या फिर बाजरा, इन सबकी रोटी बनाना गेंहूं जितना आसान नहीं होता है। गेंहू की रोटी फटाफट गोल और मुलायम बनकर तैयार हो जाती है। लेकिन जब भी मल्टीग्रेन या बाजरा की रोटी बनाएं तो वो फट जाती है और मुलायम भी नहीं रहती। अगर आपके साथ भी ये समस्या होती है तो इन टिप्स को अपनाएं। अगली बार से रोटियां मुलायम बनेंगी और फटेंगी भी नहीं।

रोटी बनाने से पहले मल्टीग्रेन आटे को गूंथकर करीब 20 मिनट के लिए छोड़ दें। जिससे उसमे ग्लूटन डेवलप हो जाए और रोटियां बेलते समय फटेंगी नहीं और मुलायम बनेंगी।

रोटी को बेलते समय हल्का सा मोटा और छोटा ही बनाएं। इससे रोटी बेलने के बाद सख्त नहीं होगी।

एक बार रोटी बन जाए तो उसे तुरंत कपड़े में लपेटकर हॉटकेस में बंदकर रख दें। इस तरह रोटी सॉफ्ट और स्वादिष्ट बनी रहेगी। जब आप उसे खाएंगे तो इनका पूरा स्वाद मिलेगा।

एरिना सबालेंका खिताब से एक कदम दूर, सेमीफाइनल में एलेना रिबाकिना को सीधे सेटों में शिकस्त दी

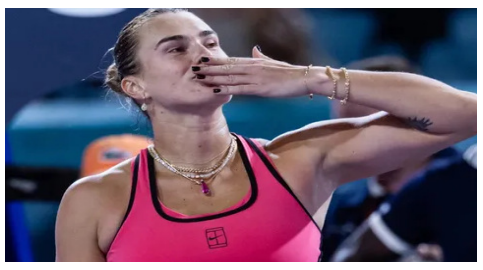

नई दिल्ली (एजेंसी)। एरिना सबालेंका ने मियामी ओपन के सेमीफाइनल में एलेना रिबाकिना को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली और अब वह खिताब से सिर्फ एक जीत दूर हैं। फाइनल में सबालेंका का सामना कोको गफ से होगा। गफ ने शुरुआती ब्रेक गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में जगह बनाई।

उन्होंने मैच के अंतिम 13 में से 12 गेम अपने नाम किए। यह जीत सबालेंका लिए डब्ल्यूटीए टूर पर सीजन की 10वीं जीत है। इसके साथ ही वह लगातार दूसरी बार मियामी ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। सबालेंका 2023 और 2024 में रिबाकिना के बाद लगातार मियामी ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बनी हैं और विश्व नंबर-1 रहते हुए 2013 से 2015 के बीच सेरेना विलियम्स के बाद ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी भी हैं। पहले सेट में 4-5 से पीछे होने के बावजूद सबालेंका ने चैंपियन अंदाज में वापसी की। उन्होंने क्रास-कोर्ट बैकहैंड और जोरदार ओवरहेड शॉट के संयोजन से रिबाकिना की सर्विस तोड़ दी। दूसरा सेट अधिकतर एकतरफा रहा, जिसमें सबालेंका ने 4-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आसानी से सेट और मैच अपने नाम किया। मैच खत्म करते समय उन्होंने टी-सर्व के बाद जोरदार क्रास-कोर्ट फोरहैंड लगाया।

जीत के बाद सबालेंका ने कैमरे पर अपना निकनेम टाइगर लिखकर जश्न मनाया। सबालेंका इस सदी में सीजन के अपने पहले चार डब्ल्यूटीए टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि मार्टिना हिंगिस (2001), सेरेना विलियम्स (2003) और विक्टोरिया अजारेंका (2012) ने हासिल की थी।

ज्वेरेव ने सेरुंडोलो को दी शिकस्त- अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जारी मियामी ओपन में फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को एकतरफा अंदाज में हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है, जहां उनका सामना विश्व नंबर दो जानिक सिनर से होगा। ज्वेरेव ने सेरुंडोलो को सीधे सेटों में 6-1, 6-2 से मात दी। यह पहली बार है जब वह एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन दोनों के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। साथ ही यह उनका 25वां एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल भी है।

एक घंटे से थोड़ा अधिक समय तक चले इस मुकाबले में ज्वेरेव पूरी तरह नियंत्रण में दिखे। दो बार के एटीपी फाइनल्स चैंपियन ने अपनी सर्विस के 84 प्रतिशत अंक जीते और सात में से चार ब्रेक प्वाइंट भुनाए। अब ज्वेरेव का ध्यान सिनर पर होगा, जो आपसी मुकाबलों में 7-4 से आगे हैं और उन्होंने ज्वेरेव के विरुद्ध पिछले छह मुकाबले जीते हैं। इससे पहले इस महीने इंडियन वेल्स में भी उन्होंने ज्वेरेव को हराया था।

30+ उम्र की महिलाएं सेहतमंद रहने के लिए रोजाना जरूर करें ये 3 योगासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधुनिक समय में सेहतमंद रहना बड़ी चुनौती है। महिलाओं के लिए यह और भी कठिन है। महिलाएं जिम्मेवारी के निर्वहन में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि उन्हें अपनी खबर नहीं रहती है। इससे उनके मानसिक और शारीरिक सेहत पर बुरा असर पड़ता है। खासकर, माहवारी और हार्मोनल चेंजेस के चलते महिलाओं को कई प्रकार की समस्याओं से गुजरना पड़ता है। अतः महिलाओं को अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना चाहिए। अगर आप भी 30+ कल्ब में शामिल हैं और सेहतमंद रहना चाहती हैं, तो रोजाना संतुलित आहार लें और एक्सरसाइज एवं योग करें। योग के कई आसन हैं। इनमें बालासन, शवासन और मार्जरी आसन 30+ उम्र की महिलाओं के लिए वरादन साबित होते हैं। आइए, इन 3 योगासन के बारे में जानते हैं-

बालासन करें- महिलाओं को होने वाली माहवारी की वजह से कमर और कूल्हों में दर्द होता है। साथ ही मूड स्विंग भी होता है। इससे महिलाओं में चिड़चिड़ापन की समस्या होती है। इन परेशानियों को दूर करने के लिए रोजाना बालासन करें। इस योग को करने से संपूर्ण शरीर में रक्त का संचार होता है। जबकि जांघों, कूल्हों और टखनों में मजबूती आती है। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा, कमर और पीठ दर्द में भी राहत मिलता है।

कैट पोज करें- इस योग को बिल्ली की मुद्रा में आकर करना होता है। महिलाओं को रोजाना कैट पोज योग जरूर करना चाहिए। इस योग को करने से रीढ़ और पीठ की मांसपेशियों में लचीलापन आता है। इससे संपूर्ण शरीर में रक्त का सही से संचार होता है। इसके अलावा, कमर, पीठ और गर्दन दर्द में राहत मिलता है। साथ ही तनाव भी दूर होता है। महिलाओं के लिए कैट पोज किसी वरदान से कम नहीं है।

शवासन करें- शव की मुद्रा में लेटकर योग करना शवासन कहलाता है। इस योग को करने से थकान दूर होती है। इस योग को करने से तनाव और अवसाद में राहत मिलता है। वहीं, रक्तचाप भी कंट्रोल में रहता है। इस योग को ध्यान योग भी कहा जाता है। शवासन करने से थकान दूर होता है। इसके लिए रोजाना शवासन जरूर करें।

गोल्फर टाइगर वुड्स कार हादसे के बाद गिरफ्तार, यूरीन टेस्ट देने से किया मना; अब जाएंगे जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान गोल्फ खिलाड़ी टाइगर वुड्स को फ्लोरिडा में उनके जूपिटर आइलैंड स्थित घर के पास दो लेन सड़क पर कार दुर्घटना के बाद नशे में ड्राइविंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। मार्टिन काउंटी शेरिफ ने इस बात की जानकारी दी।

वुड्स एक ट्रेलर को खींच रहे ट्रेक को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहे थे तभी उन्होंने ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी इसके बाद उनकी गाड़ी ड्राइवर की साइड पर गिर पड़ी। शेरिफ जॉन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की जानकारी दी।

टेस्ट देने से किया मना- 50 साल के वुड्स पैसेंजर गेट की तरफ से रेंगते हुए बाहर निकले। फिर पुलिस आई और उन्हें अपने साथ ले गई। मार्टिन काउंटी जेल में उनकी सांसों का टेस्ट हुआ जिसमें पाया गया कि उन्होंने एल्कोहल नहीं लिया है। जांचकर्ताओं का मानना है कि वुड्स की स्थिति संभवतः किसी ड्रग या दवाइयों के कारण बिगड़ी हुई हो सकती है। वुड्स ने इसके बाद अपना यूरिन टेस्ट देने से भी मना कर दिया जो फ्लोरिडा नियमों के मुताबिक अलग तरह का अपराध माना जाता है।

नहीं आई चोटें- हालांकि, अच्छी बात ये है कि वुड्स या दूसरे वाहन के ड्राइवर को किसी तरह की चोटें नहीं आई हैं। वुड्स पर प्रभाव में ड्राइविंग करने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और नियमों के मुताबिक टेस्ट के लिए मना करने के आरोप लगे हैं। ये सभी छोटे अपराधों में गिने जाते हैं।

मरियम नवाज पर तंज करना नसीम शाह को पड़ा भारी, पीसीबी ने लिया कड़ा एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने तेज गेंदबाज नसीम शाह की एक सोशल मीडिया पोस्ट पर उन्हें नोटिस दिया है। नसीम ने बाद में ये पोस्ट हटा ली थी लेकिन फिर भी पीसीबी ने उनसे सफाई पेश करने को कहा है। तेज गेंदबाज ने ये पोस्ट पंजाब की महिला मुख्यमंत्री मरियम नवाज को लेकर लिखी थी।

नसीम ने अपनी पोस्ट में मरियम पर तंज कसते हुए उन्हें क्रीन कहा था और इसी लेकर पीसीबी भड़क गया है। नसीम इस समय पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में रावलपिंडीज के लिए खेल रहे हैं। इस मामले के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं।

पीसीबी ने कहा है कि उसने नसीम के खिलाफ अनुशासनहिनता के संबंध में कार्रवाई शुरू कर दी है। पीसीबी ने अपने बयान में कहा, नसीम शाह को तय समय सीमा में अपना जवाब पेश करना होगा। पीसीबी पेशेवर मानकों, अनुबंध के नियम और खेल की अखंड़ता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीसीबी ने अपने बयान में मामले को या फिर नसीम द्वारा तोड़ गए नियम के तहत क्लॉज का जिक्र नहीं किया है। नसीम पाकिस्तान के उभरते हुए गेंदबाज हैं, लेकिन उनकी हरकत पर पीसीबी कोई ढिलाई बरतने के मूड में नहीं हैं।

मरियम नवाज लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पीएसएल के पहले मैच में बतौर मेहमान आई थी और पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने उनका स्वागत किया था। पंजाब की मुख्यमंत्री को दोनों टीमों के खिलाड़ियों से मिलवाया गया था। इसी को लेकर नसीम ने एक्स पर पोस्ट किया था, इनका ऐसा सम्मान क्यों किया जा रहा है जैसे लॉर्ड्स पर क्रीन हो।

बांग्लादेश के लोग भी उठा पाएंगे आईपीएल 2026 का लुत्फ, सरकार ने लाइव प्रसारण को लेकर किया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने आईपीएल 2026 के प्रसारण पर लगे बैन को हटाने का फैसला किया है। बांग्लादेश सरकार में सूचना एवं प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने इस बात की पुष्टि की है कि आईपीएल के प्रसारण पर किसी तरह का प्रतिबंध लागू नहीं होगा। बता दें कि मुस्तिफिजुर रहमान को कोलकाता के रिलीज करने के बाद मोहम्मद युनुस की अंतरिम सरकार ने आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगा थी।

उन्होंने बांग्लादेश को भारत में खेलने से भी इनकार कर दिया था। इस वजह से टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा नहीं ले सकी थी। हालांकि, चुनाव के बाद बांग्लादेश में नई सरकार चुनी गई और तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बने। ऐसे में अब नई सरकार ने आईपीएल के प्रसारण पर लगे बैन को हटाने का फैसला किया है। यानी बांग्लादेशी लोग भी आईपीएल का फुल मजा ले पाएंगे।

बांग्लादेश की नई सरकार ने अपनी नीति में बदलाव करते हुए आईपीएल के प्रसारण पर लगे बैन को हटा दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल के ब्रॉडकास्टर अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। उनके आवेदन पर हमारी तरफ से सकारात्मक जवाब दिया जाएगा। अब तक किसी ने भी हमारे पास प्रसारण के लिए आवेदन नहीं दिया है। हम राजनीति को खेल के साथ नहीं जोड़ना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, ÷हम किसी को भी आईपीएल के प्रसारण के लिए नहीं रोकेंगे। अगर स्टार स्पोर्ट्स इसका प्रसारण बांग्लादेश में करना चाहता है, तो वे कर सकते हैं। अगर हमारे किसी चैनल को ब्रॉडकास्ट करना है, तो उसका भी हम स्वागत करते हैं। हम किसी के ऊपर कोई दबाव नहीं डालना चाहते हैं।

अंतरिम सरकार ने लिया था फैसला- युनुस की अंतरिम सरकार ने आईपीएल 2026 के प्रसारण पर बांग्लादेश में रोक लगा दी थी। उन्होंने रहमान के आईपीएल से बाहर होने को बांग्लादेश का अपमान करार दिया था। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2026 से अपना नाम वापस ले लिया था। हालांकि, अब बांग्लादेश के तेवर ढीले पड़ गए हैं और उन्होंने लगे प्रतिबंध को हटाने का फैसला किया है। आईपीएल 2026 की शुरूआत 28 मार्च यानी आज से होने वाली है, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

रुपये में रिकॉर्ड गिरावट के बीच आरबीआई ने खींच दी लक्ष्मण रेखा, बैंकों को दिया लिमिट लागू करने का निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रुपए में गिरावट को रोकने और सट्टेबाजी (स्पेकुलेटिव ट्रेडिंग) पर लगाम लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को नया निर्देश दिया है। आरबीआई ने अधिकृत डीलर के रूप में काम करने वाले बैंकों को कहा है कि वे दिन के अंत तक रुपए में अपनी ओपन पोजीशन को 100 मिलियन डॉलर तक सीमित रखें।

रुपए पर दबाव बढ़ने पर RBI ने उठाया कदम- यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब अमेरिकी इजरायल और ईरान के बीच तनाव के कारण व्यापार घाटा बढ़ा है और रुपए पर दबाव बढ़ गया है।

केंद्रीय बैंक ने कहा है कि सभी कमर्शियल बैंक इस रोजाना लिमिट को 10 अप्रैल तक लागू करें। साथ ही, जरूरत पड़ने पर बाजार की स्थिति के अनुसार यह लिमि बदली भी जा सकती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर रुपए में गिरावट जारी रहती है तो आरबीआई आगे और भी सख्त कदम उठा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि रुपए को सहारा देने के लिए आरबीआई ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) का काफी इस्तेमाल किया है, जिससे उसकी हस्तक्षेप करने की क्षमता कुछ सीमित हो गई है।

94 के स्तर को पार कर गया भारत का रुपया- शुक्रवार को रुपया पहली बार 94 प्रति डॉलर के नीचे चला गया और करीब 1 प्रतिशत गिरा। अमेरिकी-ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक इसमें कुल मिलाकर 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है।

वहीं ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई है, जो आरबीआई के अक्टूबर में तय किए गए 70 डॉलर के अनुमान से काफी ज्यादा है। इससे भारत का आयात बिल बढ़ा है और महंगाई व मुद्रा संतुलन बनाए रखना आरबीआई के लिए मुश्किल हो गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आती है और बाजार का वैल्यूएशन (पी/ई रेशियो) कम होता है, तो भारतीय बाजार में तेजी लौट सकती है।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के अनुसार, रुपया आने वाले समय में सुधरकर करीब 91 प्रति डॉलर तक पहुंच सकता है। साथ ही, 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड भी मौजूदा 6.83 प्रतिशत से घटकर करीब 6.65 प्रतिशत तक आ सकती है। यह सामान्य स्थिति आने में 2-3 महीने लग सकते हैं।

एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि ईंधन की कीमतें बढ़ने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अभी स्थिर बनी हुई है, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें आगे भी देश के बाहरी संतुलन को प्रभावित करेंगी।

अगर वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इससे भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़ सकता है और इसका असर आर्थिक विकास और महंगाई पर भी पड़ सकता है।

ईरान के साथ अमेरिका कब खत्म करेगा जंग? मार्को रुबियो ने तय की डेडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका को उम्मीद है कि ईरान के खिलाफ उसका सैन्य अभियान महीनों नहीं, बल्कि हफ्तों में खत्म हो जाएजा और वह जमीन पर सेना तैनात किए बिना ही अपने लक्ष्य हासिल कर सकता है। यह बात शुक्रवार को विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कही। फ्रांस में जी7 देशों के अपने समकक्षों के साथ बैठकों के बाद बोलते हुए रूबियो ने कहा कि वाशिंगटन उस अभियान में तय समय पर या उससे आगे चल रहा है और उम्मीद है कि इसे सही समय पर खत्म कर लिया जाएगा। यह महीनों नहीं, बल्कि हफ्तों की बात है।

सैनिक भी भेजे जा रहे- उन्होंने आगे कहा कि हालांकि इस क्षेत्र में कुछ सैनिक भेजे जा रहे हैं, लेकिन ऐसा राष्ट्रपति को ज्यादा से ज्यादा विकल्प और ज्यादा से ज्यादा अवसर देने के लिए किया जा रहा है, ताकि अगर कोई आपात स्थिति पैदा हो तो वे उससे निपट सकें। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पूरे मध्य-पूर्व में संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है।

अमेरिका के 12 सैनिक घायल - एक अमेरिकी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि सऊदी अरब में प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले में 12 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है और सैन्य उपकरणों को भी नुकसान पहुंचा है। यह संघर्ष 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों के साथ शुरू हुआ था। इसके बाद से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित है।

इस हफ्ते सोने के बढ़े भाव तो चांदी में आई सुस्ती; क्या है इसके पीछे वजह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को एमसीएक्स गोल्ड अप्रैल फ्यूचर्स में 0.15 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि एमसीएक्स सिल्वर मई फ्यूचर्स में 0.09 प्रतिशत की हल्की गिरावट आई।

अगर मौजूदा आंकड़े ही देखें तो इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 999 प्यूरिटी वाले सोने का भाव शुक्रवार को 1,42,942 रुपए प्रति 10 ग्राम रहा, जो सोमवार के 1,35,141 रुपए से काफी ज्यादा है।

क्यों आई सोने में तेजी- वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के बीच इस हफ्ते सोने की कीमतों में 5.77 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को स्पॉट गोल्ड में हल्की गिरावट देखने को मिली, क्योंकि अमेरिकी डॉलर मजबूत रहा, जिससे कीमतों पर दबाव पड़ा।

1.30 लाख नीचे आया सोना- भारत में एमसीएक्स गोल्ड ने हफ्ते के निचले स्तर 1,29,595 रुपए प्रति 10 ग्राम से अच्छी रिकवरी दिखाई। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेका गोल्ड 4,500 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस से ऊपर बंद हुआ।

क्यों आई थोड़ी बहुत गिरावट- विशेषज्ञों का कहना है कि हाल में सोने में थोड़ी गिरावट इसलिए आई क्योंकि निवेशकों ने नुकसान की भरपाई के लिए सोना बेचकर नकदी जुटाई, लेकिन कुल मिलाकर सोने में तेजी का रुख अभी भी मजबूत बना हुआ है। केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं और वैश्विक तनाव भी कीमतों को सहारा दे रहा है।

इसके अलावा, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड बढ़ने से सोने जैसे बिना ब्याज वाले निवेश की आकर्षकता कुछ कम हुई, जिससे कीमतों पर दबाव पड़ा। वहीं, इस हफ्ते ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 120 डॉलर से गिरकर 93 डॉलर प्रति बैरल तक आई, जिससे महंगाई को लेकर चिंता कम हुई और सोने को निचले स्तर से उबरने में मदद मिली।

वे तीन द्वीप जो बदल सकते हैं होर्मुज का सत्ता संतुलन, अमेरिकी कब्जे से कमजोर पड़ जाएगी ईरान की पकड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट संकट के बाद से ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को रोककर दुनिया के लिए तेल संकट खड़ा कर दिया है। होर्मुज से कुल ग्लोबल ऑयल सप्लाई का 20त्न गुजरता है, जिसे ईरान ने अवरुद्ध कर दिया है। लेकिन अब अमेरिका होर्मुज पर ईरान की पकड़ को कमजोर करने के लिए विकल्प तलाश रहा है।

ष्टहह की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना उन विकल्पों पर विचार कर रही है जिनमें होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित अबू मूसा, ग्रेटर तुंब और लेसर तुंब, इन द्वीपों पर नियंत्रण स्थापित करना भी शामिल है। इसका उद्देश्य इस संकरे जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजो को रोकने या उन्हें धमकाने की ईरान की क्षमता को कम करना है। ये तीनों द्वीप होर्मुज स्ट्रेट के प्रवेश द्वार के पास स्थित हैं। 26 मार्च की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन ईरान के खिलाफ एक संभावित अंतिम प्रहार के लिए कई तरह के सैन्य विकल्पों की तैयारी कर रहा है, जिसमें अबू मूसा, ग्रेटर तुंब और लेसर तुंब पर कब्जा करने की योजनाएं भी शामिल हैं।

इन तीनों द्वीपों पर ईरान का नियंत्रण है, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात इन पर अपना दावा करता है। ईरान ने 1971 में, ठीक,श्च के गठन से पहले, इन द्वीपों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया था। दशकों से, यह विवाद अनसुलझा बना हुआ है, लेकिन काफी हद तक नियंत्रित रहा है।

1979 से पहले खर्ग द्वीप पर सेवा दे चुके मोहम्मद फारसी ने को बताया कि इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि वे इन द्वीपों पर कब्जा करने का इरादा रखते हैं।

दुश्मन हमारे एक द्वीप पर कब्जे की तैयारी में- गालिबाफ ईरान की संसद के अध्यक्ष, मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने एक्स पर कहा था कि खुफिया जानकारी से पता चलता है कि ईरान के दुश्मन जिन्हें एक क्षेत्रीय देश का समर्थन प्राप्त है, उसके किसी एक द्वीप पर कब्जा करने की तैयारी कर रहे हैं।

कब्जे से अमेरिका को मोलभाव में मिल सकती है मदद- वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन द्वीपों पर नियंत्रण स्थापित करने से अमेरिका को जलडमरूमध्य की निगरानी करने और नौसैनिक अभियानों में सहायता करने में मदद मिल सकती है। इससे वॉशिंगटन को युद्ध समाप्त करने के लिए होने वाली किसी भी बातचीत में मोलभाव करने की स्थिति भी मिल सकती है।

द्वीपों पर कब्जे के बाद भी जहाजों पर बना रहेगा खतरा- हालांकि, ईरान केवल इन्हीं द्वीपों पर निर्भर नहीं है। वह अपने मुख्य भूभाग से मिसाइलों, ड्रोन और नौसैनिक इकाइयों का उपयोग करके भी जहाजो को निशाना बना सकता है। इसका मतलब है कि अगर द्वीपों पर कब्जा हो भी जाता है, तो भी जहाजों के लिए खतरा बना रह सकता है।

ईरान ने होर्मुज में लगाया 2 मिलियन डॉलर का टोल, US सीनेटर बोले- ये ट्रंप का खुद का बनाया संकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा चोक पॉइंट बना हुआ है। अमेरिकी सीनेटर क्रिस मर्फी ने युद्ध की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका रोजाना 2 अरब डॉलर (लगभग 17,000 करोड़ रुपये) खर्च कर रहा है, जबकि जलडमरूमध्य युद्ध शुरू होने से पहले खुला था।

मर्फी ने कहा, समस्या यह है कि जलडमरूमध्य युद्ध शुरू होने से पहले खुला था। हम अब उस समस्या को हल करने की कोशिश कर रहे हैं जो हमने खुद पैदा की है। यह पागलपन है! उन्होंने आगे कहा, 2 अरब डॉलर बहुत बड़ी रकम है। युद्ध पर रोजाना खर्च होने वाली न्यूनतम राशि यही है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कुछ जहाजों से 20 लाख डॉलर (लगभग 18.8 करोड़ रुपये) प्रति यात्रा टोल वसूलना शुरू कर दिया है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के सदस्य अलाएद्दीन बोरोजर्दी ने राज्य प्रसारक ढ्ढक्रढ्ढक्रको बताया कि यह कदम युद्ध की लागत वसूलने और जलडमरूमध्य पर नई संप्रभु व्यवस्था स्थापित करने का हिस्सा है।

बोरोजर्दी ने कहा, कुछ जहाजों से 2 मिलियन डॉलर ट्रांजिट फीस वसूलना इरान की ताकत को दर्शाता है। युद्ध की लागत है, इसलिए हमें जहाजों से फीस लेनी होगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई डेडलाइन को 10 दिन और बढ़ा दिया है।

क्या है अब नई डेडलाइन - ट्रंप ने दावा किया कि बातचीत बहुत अच्छी चल रही है, लेकिन इरान ने किसी भी वार्ता से इनकार किया है।इरान ने अमेरिकी प्रस्ताव ठुकरा दिया और अपना पांच सूत्री प्रस्ताव रखा है, जिसमें युद्ध के लिए मुआवजा और होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपनी संप्रभुता की मान्यता शामिल है। इजराइल ने शुक्रवार को इरान पर नए हमले किए और चेतावनी दी कि हमले बढ़ेंगे और विस्तारित होंगे।

वैश्विक प्रभाव- होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग एक पांचवां तेल और गैस गुजरता है। इसके बंद रहने से वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ गई हैं, शेयर बाजार प्रभावित हुए हैं और अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा है। अमेरिका-इजराइल युद्ध के चलते क्षेत्र में तनाव चरम पर है।

सीनेटर क्रिस मर्फी ने चेतावनी दी कि यह स्वयं पैदा किया संकट अमेरिकी सैनिकों की मौत, भारी खर्च और पूरी दुनिया को आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है।

इजरायल के साथ जंग में लेबनान को भारी नुकसान, हिजबुल्लाह के 400 लड़ाकों समेत 1100 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच छिड़े भीषण संघर्ष में लेबनानी सशस्त्र समूह को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। 2 मार्च से इजरायल के साथ भिड़े भीषण संघर्ष में अब तक हिजबुल्लाह के 400 से अधिक लड़ाके मारे जा चुके हैं।

दरअसल, यह आंकड़ा लेबनान में इजरायल के बढ़ते हवाई और जमीनी अभियान में मारे गए हिजबुल्लाह लड़ाकों की पहली समग्र संख्या है। समूह ने कुछ व्यक्तिगत लड़ाकों के लिए छिटपुट नोटिस जारी किए हैं, लेकिन आ हिजबुल्लाह ने आधिकारिक तौर पर कुल आंकड़ों की पुष्टि नहीं की है इजरायली सेना ने सूत्रों द्वारा बताई गई संख्या से अधिक संख्या में हिजबुल्लाह के मारे गए लोगों की संख्या बताई है। इजरायली सेना का दावा है कि इस सप्ताह उसने लेबनान में कम से कम 700 हिजबुल्लाह लड़ाकों को मार गिराया है, जिनमें समूह के कुलीन रादवान बल के सैकड़ों सदस्य शामिल हैं।

नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता स्वास्थ्य मंत्रालय- लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इजरायली हमलों और जमीनी अभियानों में लेबनान में 1,142 लोग मारे गए हैं। इनमें 122 बच्चे, 83 महिलाएं और 42 चिकित्साकर्मी शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय नागरिकों और लड़ाकों के बीच कोई अंतर नहीं करता है। शुक्रवार को इजरायली सेना ने बताया कि लेबनान में चलाए गए अभियानों के दौरान एक सैनिक और एक लड़ाकू अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। इससे पहले सेना ने कहा था कि दक्षिणी लेबनान में हुई लड़ाई में उसके चार सैनिक मारे गए हैं।

Noida Airport ने किसान को किया मालामाल, 15 करोड़ खाते में आते ही खरीदा हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (28 मार्च) को नोएडा में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के दूसरे हवाई अड्डे जेवर हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया। शुरू में सालाना 12 मिलियन यात्रियों को संभालने की क्षमता वाला यह प्रोजेक्ट, 70 मिलियन यात्रियों तक विस्तार करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे दिल्ली के IGIA पर भीड़ कम होगी और भारत की विमानन प्रोफाइल को बढ़ावा मिलेगा।

इस एयरपोर्ट के उद्घाटन के बीच नोएडा का एक खबर वायरल हो रही है। वायरल खबर में दावा किया जा रहा है कि जेवर एयरपोर्ट की वजह से एक किसान करोड़पति बन गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जेवर एयरपोर्ट के लिए सरकार ने जो जमीन अधिग्रहण किया था। इससे लोकल निवासियों को बहुत फायदा हुआ है। इसमें कई किसान भी शामिल हैं। एक किसान को करोड़ रुपये मिले और उस पैसों से उसने एक हेलिकॉप्टर खरीदा है। साथ ही वह दोस्तों के साथ थाईलैंड घूमने की प्लानिंग भी कर रहा है।

हालांकि, किसान ने यह दावा नहीं किया है। जेवर एयरपोर्ट के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के उप-ठेकेदारों में से एक जिसका नाम शिवम प्रजापति है उसने यह बात कही।

किसानों की चमकी किस्मत- द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार शिवम प्रजापित ने कहा- ज्यादातर लोग एयरपोर्ट बनने और उनकी जमीन अधिग्रहित होने से बहुत खुश हैं। सबने अपने शौक-शौक पूरे कर लिए।

आम आदमी को मिलेगी राहत, क्या अगले महीने घटेगी आपकी Home Loan EMI?

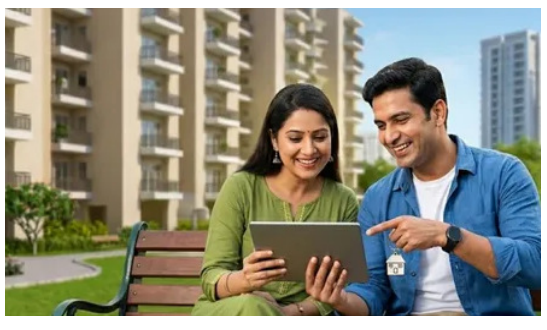

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने से कई बड़े बदलाव आने वाले हैं। इसके साथ ही अगले महीने देश की केंद्रीय बैंक, आरबीआई (रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया) की मौद्रिक समिति की बैठक है। इस बैठक के दौरान आरबीआई वित्तीय संबंधित कई महत्वपूर्ण फैसले लेती है। इसके साथ ही ये भी फैसला लिया जाता है कि रेपो रेट में कोई बदलाव करना है या नहीं।

आपको बता दें कि रेपो रेट का सीधा असर आपके लोन की ईएमआई पर पड़ता है। खासकर तब अगर आपने लोन फ्लोटिंग रेट पर लिया हो। मसलन अगर रेपो रेट कम हुआ तो फ्लोटिंग रेट भी कम होगा और आपको कम ब्याज के साथ ईएमआई भरना होगा। इसके साथ ही अगर वृद्धि हुई तो ठीक इसका विपरीत होता है।

अब जानते हैं कि क्या अगले महीने आरबीआई रेपो रेट में कटौती कर सकता है या नहीं - मीडिया रिपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार आरबीआई अगले महीने होने वाली बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। अगले महीने भी रेपो रेट 5.25त्न रह सकता है। रियूटर्स में तो यह भी कहा जा रहा है कि अगले साल के मिड तक रेपो रेट में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा।

ऊपर दी गई टेबल के अनुसार आरबीआई द्वारा पिछले साल कुल मिलाकर रेपो रेट में 1.25 फीसदी की कटौती की गई है। पिछले साल में जून में आरबीआई ने सबसे ज्यादा कटौती की थी। फरवरी में सामान्य रहा रेपो रेट- इस साल अब तक आरबीआई की बैठक एक बार ही आयोजित हुई है। फरवरी में हुई बैठक के दौरान आरबीआई ने यह तय किया कि वे रेपो रेट में इस बार कोई बदलाव नहीं करेंगे। रेपो रेट इस समय 5.25 फीसदी चल रहा है। दिसंबर से अब तक रेपो रेट सामान्य रहा। इसके साथ ही आगे भी रेपो रेट में कटौती की गुंजाइश कम लग रही है।

अगर आरबीआई रेपो रेट में कटौती करता है, तो बैंक कम ब्याज पर लोन ले सकते हैं। इसी तरह आम आदमी को भी कम ब्याज पर लोन मिल जाता है।

ऐसी ही अगर रेपो रेट में बढ़ोतरी आती है, तो बैंकों को लोन लेना महंगा पड़ेगा। इससे आप पर होने वाला ईएमआई का बोझ बढ़ेगा। अगर किसी व्यक्ति ने फ्लोटिंग रेट पर होम लोन लिया है तो ऐसे व्यक्ति का ईएमआई रेपो रेट पर निर्भर होता है। अगर आपने फिक्स्ड ब्याज दर पर लोन लिया है तो इस पर रेपो रेट का कम प्रभाव पड़ता है।

क्योंकि यह बैंकों पर भी निर्भर करता है कि रेपो रेट में कटौती के बाद वे फिक्स्ड

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच फिर शुरू हुआ युद्ध, स्थायी युद्धविराम की उम्मीदें हुईं धूमिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान- अफगानिस्तान के बीच युद्ध फिर शुरू हो गया है, जिससे स्थायी युद्धविराम की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं।

इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा, मुझे लगता है कि 23 और 24 मार्च की मध्यरात्रि के बीच विराम समाप्त हो गया। अफगान तालिबान के खिलाफ अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक आतंकवाद के खतरे को खत्म नहीं कर दिया जाता। इस्लामाबाद, अफगान तालिबान पर आतंकियों को पनाह देने का आरोप लगाता है, वहीं काबुल का कहना है कि यह पाकिस्तान की घरेलू समस्या है।

इस बीच एपी के अनुसार अफगान अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान में दो नागरिक मारे गए हैं और अन्य घायल हुए हैं। सऊदी अरब, तुर्किये और कतर की मध्यस्थता के बाद, दोनों पक्षों ने ईद अल-फितर से पहले अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की थी।

अधिकारियों ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में स्थित तोरखम सीमा चौकी को गुरुवार को अस्थायी रूप से खोल दिया गया ताकि सैकड़ों अफगान शरणार्थियों स्वदेश वापस जा सकें। पाकिस्तान में 20 लाख से अधिक अफगान शरणार्थी हैं।

इस्लामाबाद चाहता है कि वैध वीजा धारकों को छोड़कर सभी अफगान नागरिक देश छोड़ दें। इस बीच अफगानिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने गुरुवार को बताया कि नशा मुक्ति अस्पताल पर हुए हमले में मृतकों की संख्या अब 411 हो गई है।

263 लोग घायल हुए हैं। कई लोग अभी भी लापता हैं। 16 मार्च को पाकिस्तानी ने नशा मुक्ति अस्पताल पर हमला किया था। इस हमले में मारे गए 60 लोगों को गुरुवार को काबुल के कब्रिस्तान में दफनाया गया।

दालमंडी मे तीसरी बार शुरू हुई ध्वस्तीकरण की कार्यवाही, एक दिन मे ध्वस्त किये जायेंगे 30 मकान, कार्यवाही मे शामिल हुआ बुलडोजर

एक महीने बाद ध्वस्ती के कार्यवाई मे लगा हाथ चले बुलडोजर, सुरक्षा बाबत भारी फ़ोर्स तैनात रही

दैनिक दिव्य संवाद/वाराणसी। वाराणसी तीसरे चरण मे ईद के बाद लगभग एक महीने बाद दालमंडी मार्केट मे ध्वस्तीकरण की कार्यवाही शुरू की गयी, कार्यवाही मे यदि प्रशासन के आकड़े की बात की जाए तो करीब 30 मकानों को ध्वस्त किया जायेगा, होली, ईद और रामनवमी के बाद दालमंडी मे ध्वस्तीकरण की यह अब तक की सबसे बड़ा एक्शन है, जिसके लिए दालमंडी को छावनी में तब्दील करके हैं एक भारी फोर्स तैनात किया गया है।

ध्वस्तीकरण मे तेजी लाने के लिए बुलडोजर से मकानों को ध्वस्त किया जाना सभी शुरू कर दिया गया है।

होली, ईद और रामनवमी के बाद 3.0 मे शुरू हुए आज की ध्वस्तीकरण की यह अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही है, जहाँ एक साथ 30 भवन पर यह कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा है, इस आज पैरामिलिट्री फोर्स के साथ पीएससी और सिविल पुलिस की तैनाती करने के साथ ही पुरे कार्यवाही की ड्रोन से निगरानी कराई जा रही है, इसके अलावा ध्वस्तीकरण के स्थान पर बैरिकेटिंग कर भीड़ के आने जाने पर रोक लगा दी गयी है। ईसे पूरे मामले पर बात करते हुए क्क्ुष्ठ के एक्स ई एन के के सिंह ने बताया की आज करीब 30 भवन चिंहित किये गए है जिनकी सभी कागजी कार्यवाही पूरी करने के बाद

बड़ी ध्वस्तीकरण के लिए दालमंडी मे ध्वस्तीकरण का काम चालू हुआ

सभी दुकान खाली करा ली गयी है साथ ही मुआवजा भी दे दिया गया है, अब जबकि त्यौहार का समय नही है ऐसे मे आगे के दो महीने रोजाना कार्यवाही जारी रहेगी।

वही मौके पर मौजूद एसीपी दशाश्वमेघ डॉ अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि क्क्ुष्ठ के इस ध्वस्तीकरण अभियान को सकुशल सम्पन्न कराया जा रहा है, बड़ी संख्या मे फोर्स की तैनाती कराई गयी है, पी एस सिस्टम से लगातार अलाउंसमेंट कराया जा रहा है।

एसीपी दशाश्वमेघ बताया की दालमंडी तंग गलियों का हिस्सा है और यहाँ मकानों की हाइट मे कई मंजिला है। ऐसे मे पहले मकानों पर हथौड़े से मजदूर ध्वस्त कर रहे है जब मकान दो मंजिला बच रहा तो उसे बुलडोजर से गिराया जा रहा है। एसीपी ने बताया कि यह कार्यवाही जारी रहेगी।

युवक पर हमला करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, एक को भेजा जेल

शाजापुर। कट मारने की बात पर तीन बदमाशों ने एक युवक पर तलवार से हमला कर घायल कर दिया था। मामले में पुलिस ने तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस मुख्य आरोपी को घटनास्थल ले गई और वहां घटना का पूरा जायजा लिया।

कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि यह घटना करीब तीन दिन पहले मनिहारवाड़ी इलाके में हुई थी। भोईवाड़ा निवासी राजेश केवट (32) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपनी मां और भांजी के साथ मेला देखकर लौट रहा था। इसी दौरान आरोपी अमन पठान बाइक से आया और कट मारने की बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि अमन पठान ने गाली-गलौज करते हुए तलवार से हमला किया। बचाव के प्रयास में राजेश की कलाई पर चोंट आई थी। इसके बाद फईम पठान अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा। जिसने लकड़ी और लात-घूंसों से राजेश केवट के साथ मारपीट की, जिससे युवक के चेहरे और पेट पर भी चोटें आईं। शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर घायल राजेश को बचाया। जाते समय आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए फईम उर्फ बाबू खा (21) को शुक्रवार को ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। शनिवार को अजहर उर्फ भूरा (20) और अमन पठान (22) को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इन्हें आज न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने मुख्य आरोपी का घटनास्थल पर पैदल भ्रमण भी कराया। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी संतोष वाघेला, उप निरीक्षक नवीन बिलावलीया, सउनि विक्रम सिंह जाटवा, प्रधान आरक्षक राकेश किरार, आरक्षक संजय पटेल और आरक्षक हेमराज मालवीय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्यमंत्री संबल योजना अन्तर्गत 12 हितग्राही हुए लाभान्वित परिवाजनों को मिले 28 लाख

देवास। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अन्तर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा 26 मार्च को संबल योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। प्रदेश की जनकल्याण योजनाओं में मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के अन्तर्गत प्रदेश स्तर पर हितग्राहियों को छिंदवाडा मे आयोजित कार्यक्रम से सिंगल क्लीक कर डीबीटी के माध्यम से लाभ वितरण किया। इसी अन्तर्गत मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अनुग्रह सहायता राशि वितरण का लाईव प्रसारण निगम बैठक हाल में देखा एवं सुना गया। निगम बैठक हाल में आहूत कार्यक्रम के अन्तर्गत विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा 12 हितग्राहियों के परिवारजनों को संबल योजना के अन्तर्गत स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। जिसमें सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख, दुर्घटना मे मृत्यु होने पर 4 लाख कुल 12 हितग्राहियों को राशि रूपये 28 लाख के स्वीकृति पत्रों का वितरण हितग्राहियों के परिवारजनों को किया गया। इस अवसर पर पार्षद दिपेश कानूनगो, पार्षद प्रतिनिधि निलेश वर्मा, भाजपा नेता विपुल अग्रवाल, जितेन्द्र जायसवाल, निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी, श्रम विभाग से जसपालसिंह, निगम एनयुएलएम शाखा से विशाल जगताप, सुनिल जोशी, मुजफ्फर अली, रवि चौधरी, राकेश चौहान व बडी संख्या मे हितग्राहियों के परिवाजन उपस्थित रहे।

काले सोने का तौल शुरू, 8 गांव के 361 किसानों की तुली अफीम

मंदसौर। जिले में अफीम का तौल शनिवार, 28 मार्च से शुरू हो गया है। इसी के साथ अफीम काश्तकारों में भी खुशी का माहौल है। किसान तौल के इंतजार में थे। पहले दिन प्रथम खंड में अफीम तौल शुरू कराया गया है। प्रथम खंड के 8 गांवों के 361 किसानों को पहले दिन बुलाया गया। शनिवार अलसुबह से ही अफीम तुलाई के लिए चहल पहल रही। किसानों ने बारी-बारी से अपनी अफीम कुंडों से निकालकर कंटेनर में भरवाई। अफीम तौल के लिए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा टेंट, कूलर और ठंडे पानी की व्यवस्था करवाई गई है।

गौरतलब है कि मंदसौर, नीमच और जावरा क्षेत्र में अफीम काश्त होती है। इनमें कुल आठ केंद्र बनाए गए हैं। मंदसौर में प्रथम, द्वितीय और तृतीय खंड हैं तथा एक खंड सीतामऊ में है। जानकारी के अनुसार मंदसौर जिले में कुल 6400 से ज्यादा अफीम उत्पादक किसान हैं। अफीम को काला सोना भी कहा जाता है। काले सोने के नाम से प्रसिद्ध अफीम को लेकर मंदसौर जिला प्रदेश ही नहीं देश-विदेश में ख्याति प्राप्त है। बताया गया है कि सीपीएस पद्धति वाले किसानों की अफीम तौल बाद में शुरू होगी, जिसका तारीखवार अलग निर्धारित की गई है। अफीम तौल 28 मार्च से शुरू होकर 10 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान सभी खंडों से बारी-बारी से चिन्हित गांवों के अफीम काश्तकारों को सूचना देकर तौल हेतु बुलाया जाएगा। गाढ़ता चेक की गई, सेम्पल नीमच भेजे जाएंगे- अफीम गोदाम स्थित नारकोटिक्स कार्यालय में किसानों की अफीम की गाढ़ता चेक की गई। किसानों की मौजूदगी में सेम्पल भी लिए गए। ये सेम्पल नीमच स्थित ओपियम फेक्टरी की लेब में भेजे जाएंगे। बाद में किसानों को अफीम का भुगतान किया जाएगा। अपने-अपने कुंडों के साथ ट्रेक्टर से पहुंचे किसान- गौतरलब है कि 28 मार्च को बुलाए गए किसानों की अफीम तुलाई होना थी। इसके चलते दलौदा तहसील से संबधित 8 गांवों के किसानों ने मुखिया के साथ अफीम कुंडों सहित मंदसौर पहुंच गए थे। रात्रि में किसानों ने अफीम की सुरक्षा की। इसके अलावा अनेक किसान शनिवार सुबह तुलाई केंद्र पर पहुंचे।

हर वर्ष अक्सर होती रही है कुंडा लूटने की वारदात- उल्लेखनीय है कि अफीम फसल में लुनाई व चिराई की प्रक्रिया के बाद अफीम एकत्र की जाती है। एकत्र अफीम को किसान कुंडे में भरकर गोपनीय तरीके से रखते हैं और उसकी सुरक्षा भी की जाती है। जब तक अफीम तुलाई नहीं हो जाती, तब तक किसानों को डर सताता रहता है। पूर्व के वर्षों में नजर डालें तो अफीम कुंडों को लूटने की वारदातें होती रही है। पिछ्ले वर्ष ही मल्हारगढ़ तहसील के गांव लसुड़िया राठौड़ में बुजुर्ग महिला की हत्या कर आरोपी अफीम ले गए थे।

रंगमंच केवल मनोरंजन नहीं, सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम

मंदसौर। सिर्फ अधिकार मांगने से देश नहीं चलता, कर्तव्यों को निभाना भी उतना ही जरूरी है। संविधान का सम्मान व्यवहार में दिखना चाहिए। यह बात प्रगतिशील लेखक और सामाजिक चिंतक असअद अंसारी ने विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर तेलिया टैंक पर आयोजित नुक्कड़ सभा में कही।उन्होंने कहा कि 27 मार्च को मनाया जाने वाला यह दिवस केवल सांस्कृतिक अवसर नहीं, बल्कि सच बोलने की परंपरा को याद करने का दिन है। भारतीय संदर्भ में रंगमंच को जनता के संघर्षों से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन (ईप्टा) ने किया है, जिसने इसे सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाया।

सभा में फिल्म डायरेक्टर, लेखक एवं कवि मनी चौहान ने कहा कि थियेटर को केवल फिल्म से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक जीवंत मंचीय कला है, जिसमें समाज अपने ही प्रतिबिंब को देखता है। सांस्कृतिकर्मी नरेंद्र कुमार त्रिवेदी सूत्रधार ने कहा कि रंगमंच समाज का आईना है और युवाओं को इससे जोड़कर इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। ईप्टा सचिव हूर बानो सैफी ने संचालन करते हुए कहा कि संविधान अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी स्पष्ट दस्तावेज़ है। अधिकार और कर्तव्य दोनों का संतुलन ही लोकतंत्र को मजबूत बनाता है। ईप्टा उपाध्यक्ष हेमन्त कछावा ने कहा कि संगठन का गौरवशाली इतिहास जन मुद्दों को नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से उठाने की प्रेरणा देता है। अभय मेहता ने भी विचार व्यक्त किए। इकाई अध्यक्ष शोभा कश्यप ने कहा कि संविधान हमें समानता, स्वतंत्रता और शिक्षा जैसे अधिकार देता है, साथ ही कानून पालन और भाईचारा बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। कार्यक्रम के प्रारंभ में जनगीत गायन हुआ, जिसमें नन्द किशोर राठौर, ललिता मेहता, राजेश मंडवारिया,संतोष परसाई सहित अनेक लोगों ने सहभागिता की। संचालन हूर बानो सैफी ने किया और आभार प्रदर्शन डी.पी. जोशी ने किया।

लगन लाने के बहाने बाईक पर बैठाया, शराब पिलाई, फिर बाईक से बांधकर घसीटा

शाजापुर। ग्राम सिरोलिया निवासी एक व्यक्ति को उसके ही समधी ने बाईक से बांधकर घसीटा। जब लोगों ने बीच बचाव किया तो उसने ग्रामीण की रस्सी तो खोल दी लेकिन उसे जमीन पर घसीटता रहा। इसके बाद उसे अपने हाल पर छोड़कर बाईक से निकल गया। लोगों परिजनों को इसकी सूचना दी और घायल को रात 1 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना भैंसवा माता मंदिर के पास की है। मौके पर मौजूद लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो शनिवार को सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी देवीलाल ने अपने समधी मांगीलाल को रस्सी से बाइक से बांध रखा है और उसे सड़क पर घसीट रहा है।

लोगों ने कहा अब मत करो, मर जाएगा- घटना भैंसवा माता मंदिर के पास की है, जिसका वीडियो भी सामने आया। वीडियो में कुछ लोग देवीलाल को रोकते हुए और यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि अब बाइक से मत घसीटो, मर जाएगा। इसके बाद देवीलाल रस्सी खोलकर बुजुर्ग को अलग करता है, लेकिन फिर उसे दोनों हाथों से पकड़कर बेरहमी से जमीन पर घसीटता है। बाद में वह पीड़ित को वहीं छोड़कर अपने साथी के साथ बाइक पर बैठकर निकल जाता है। युवक के जाने के बाद स्थानीय लोगों ने पीड़ित बुजुर्ग की जेब से मोबाइल निकालकर उसके परिजन को घटना की सूचना दी। शुक्रवार रात को परिजन भैंसवा माता मंदिर पहुंचे और पुलिस वाहन की मदद से मांगीलाल को मक्सी थाने ले गए। यहां से इलाज के लिए शाजापुर जिला अस्पताल भेजा गया। शुक्रवार रात करीब 1 बजे उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज जारी है। मामले में अभी तक पुलिस ने किसी पर भी कोई केस दर्ज नहीं किया है।

लगन लाने के बहाने ले गया- मांगीलाल के परिजन शंकरलाल ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे समधी देवीलाल उनके घर आया। मांगीलाल से लग्न लाने के लिए भैंसवा माता मंदिर चलने को कहा। मांगीलाल ने घर पर हवन चलने का हवाला देते हुए मना किया, लेकिन देवीलाल नहीं माना और उन्हें अपने साथ ले गया। वहां जाकर दोनों ने साथ शराब पी। इसके बाद देवीलाल ने मांगीलाल को बाइक से बांधकर घसीटा। परिजन को स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर सूचना दी। पुलिस ने उन्हें मक्सी थाने और फिर शाजापुर जिला अस्पताल जाने को कहा।

बुजुर्ग के मर्डर में उसके सगे भाई के दो बेटे और दामाद निकले हत्यारे

मंदसौर। सीतामऊ थाने के तहत साखतली गांव निवासी बुजुर्ग व्यक्ति शंकरलाल पाटीदार की हत्या के मामले में पुलिस ने कड़ी से कड़ी जोड़कर हत्यारों को अपने गिरेबान में ले लिया है। इसका खुलासा शनिवार दोपहर में कंट्रोल रूम में प्रेसवार्ता के माध्यम से किया गया। हत्यारे और कोई नहीं मृतक शंकरलाल के सगे भाई के दोनों बेटे और दामाद रहे हैं। तीनों जीजा-सालों ने मिलकर बुजुर्ग की हत्या की योजना बनाई और मौका पाकर कुल्हाड़ी से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या की वजह मात्र सात आरी जमीन बनी है, जिसका विवाद लम्बे समय से मृतक और हत्यारों के बीच चला आ रहा था। मामले में दोनों सगे भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि उनका जीजा फरार है। आरोपी मृतक के छोटे भाई के बेटे हैं, जो रिश्ते में भतीजे हैं और फरार आरोपी मृतक के भाई का दामाद है। घटना के एक दिन पूर्व मृतक के लड़के श्यामलाल को फरार आरोपी अर्जुन ने फोन लगाकर धमकी दी थी। आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया जाएगा।

कंट्रोल रूम पर प्रेस वार्ता में गरोठ एएसपी हेमलता कुरील, सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापति एवं सीतामऊ थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति मौजूद रहे। यहां बताया गया कि 27 मार्च को जीवन पिता शंकरलाल पाटीदार 26 वर्ष ने सूचना दी थी। बताया कि साखतली और बिलांत्री गांव के बीच कच्चे रास्ते पर उनका खेत है। मेरे पिता शंकरलाल पाटीदार 26 मार्च को रात्रि में 8 बजे के आसपास साईकिल से खेत पर सोने गए थे। मेरी मां घर पर ही थी। 27 मार्च की सुबह गांव के कन्हैयालाल पाटीदार ने बताया कि उसके पिता शंकरलाल साईकिल सहित रोड किनारे गिरे हुए हैं। जाकर देखा तो पिता लहुलूहान होकर मृत थे। फरियादी जीवन ने बताया कि मेरे पिता शंकरलाल और व उनके भतीजे बालेश्वर पिता अनोखीलाल पाटीदार के बीच गांव से लगी पुश्तैनी 07 आरी जमीन का विवाद चल रहा है। मामले में पुलिस ने शिकायत पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। संदेहियों की तलाश की गई और उनकी धरपकड़ कर कड़ाई से पूछताछ की गई। इस पर आरोपी बालेश्वर पिता अनोखीलाल पाटीदार एवं उसका भाई नानालाल पाटीदार निवासी साखतली ने हत्या करना स्वीकार किया। दोनों ने अपने जीजा नाटाराम गांव निवासी अर्जुन पिता रामनिवास पाटीदार के साथ योजना बनाकर शंकरलाल की हत्या को अंजाम दिया। मामले में कुल्हाड़ी व बाईक जब्ती में ली गई है तथा फरार आरोपी अर्जुन की तलाश की जा रही है। इस कार्य में सीतामऊ थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति एवं उपनिरीक्षक ओमप्रकाश राठौर सहित टीम का सराहनीय योगदान रहा है।

जनहित सर्वोपरि : नगरपालिका के 500 करोड़ के बजट बैठक पर कांग्रेस की कड़ी नजर

मंदसौर। मंदसौर नगर पालिका के लगभग 500 करोड़ रुपये के आगामी बजट को लेकर आज कांग्रेस पार्षद दल की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की मुख्य अगुवाई जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने की, जिसमें विधायक विपिन जैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए आम जनता की मूलभूत सुविधाओं–पेयजल, स्वच्छता, सड़क, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सेवाओं–को प्राथमिकता दिलाने पर गंभीर चर्चा की गई। बैठक में शहर की सड़कों की खराब स्थिति, अधूरे विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि बजट राशि के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार की गुंजाइश न रहे। कांग्रेस इन मुद्दों पर सतत निगरानी रखेगी और आवश्यकता पड़ने पर जनहित में आवाज बुलंद करेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने यह भी कहा कि नगरपालिका में भाजपा की परिषद होने के बावजूद कांग्रेस जनहित के मुद्दों पर मजबूती से अपनी आवाज उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि बजट केवल कागजों तक सीमित न रहकर वास्तव में जनता की जरूरतों के अनुरूप लागू हो।

ईसीसी मेले में नन्हे बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, खेल-खेल में सीखने का मिला अवसर

नीमच। शासकीय माध्यमिक विद्यालय भरभड़िया में शनिवार को प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसी) मेला उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। मेले में नर्सरी, एलकेजी, यूकेजी और कक्षा 1 के विद्यार्थियों ने भाग लेकर विभिन्न गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

मेला प्रभारी अनिल कुमार तोतला एवं प्रधानाध्यापक बंशीलाल प्रजापति ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना है। साथ ही शिक्षा के साथ संस्कारों को आत्मसात कराते हुए उनमें सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी लक्ष्य रहा। मेले के दौरान बच्चों ने अलग-अलग स्टॉल के माध्यम से रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। खेल-खेल में सीखने की इस पहल ने बच्चों में उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ाया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को एचपीबी कार्ड भी वितरित किए गए।

राजस्थान के सांवरिया सेठ मंदिर की तरह सजा मां का दरबार

शाजापुर। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मां राजराजेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया और पूरी नवरात्रि में भक्तों ने शक्ति की भक्ति की। अंतिम दिन लाईव प्रसारण का जिम्मा संभालने वाले रोहित विश्वकर्मा की टीम द्वारा वो नजारा दिखाया गया जो नगरवासियों के लिए कभी न भूल पाने वाला लम्हा बन गया।

शुक्रवार को एबी रोड स्थित मां राजराजेश्वरी माता मंदिर पर नवमी की आरती हुई, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। अंतिम दिन हुई महाआरती को विशेष व आकर्षक बनाने के लिए रोहित विश्वकर्मा व उनकी टीम द्वारा आकर्षक आतिशबाजी की गई। जिसे देखकर हर किसी ने इसकी सराहना की। श्री विश्वकर्मा ने बताया कि उन्होंने कई दिनों पहले से यह तय कर लिया था कि अंतिम दिन होने वाली महाआरती को वे विशेष बनाएंगे और कुछ अलग करेंगे। विश्वकर्मा की टीम के इस नवाचार की सभी ने सराहना की।

सांवरिया सेठ की तरह सजाया माता का दरबार - राजस्थान राज्य में स्थित श्री सांवरिया सेठ जी के मंदिर में हर जन्माष्टमी पर प्रभु के जन्मोत्सव पर इसी तरह की आतिशबाजी की जाती है। जिसके साक्षी हजारों श्रद्धालू बनते हैं। इसी तर्ज पर इस बार माता के दरबार में आतिशबाजी की गई। यह नजारा देखने के लिए मंदिर में हजारों लोग पहुंचे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी मो: 9425379389 द्वारा एमआईजी ए-17/1, वेद नगर, नानाखेडा, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित कर प्रियंका ऑफसेट, 2/10 पिपलीनाका, भैरुगढ रोड, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित, सम्पादक : अभय नरवरिया मो: 9584111186 (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)